दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...
www.navpradesh.com
बिलासपुर, शुक्रवार 24 अप्रैल 2020, वैशाख शुक्ल पक्ष-प्रतिपदा, विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-14 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कोरोना योद्धाओं को सुरक्षा कवच देने के लिए केन्द्र सरकार ने देर से ही सहीं लेकिन दुरूस्त कदम उठाया है। अंग्रेजों के जमाने के महामारी कानून में संशोधन कर अब डॉक्टरों और चिकित्साकर्मियों से बदसलूकी करने और उन पर हमला करने वालों को सात साल की सजा भुगतनी होगी और पांच लाख तक का जुर्माना भरना होगा। जाहिलों और पत्थरबाज गैंग के खिलाफ इस कानून का कड़ाई पूर्वक पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसी तरह अपनी जान जोखिम में डालने वाले पुलिसकर्मियों को भी ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की छूट भी दी जानी चाहिए।

कोरोना अपडेट

देश	कंफर्म केस	मौत
भारत	21774	691
अमेरिका	850116	47737
इटली	187327	25085
स्पेन	213024	22157
फ्रांस	159877	21340
ब्रिटेन	138078	18738
बेल्जियम	42797	6490
ईरान	87026	5481
जर्मनी	151022	5354
ब्राजील	46348	2934
टर्की	98674	2376
कनाडा	40190	1974
स्वीट्ज़रलैंड	28496	1509

कोटा ही क्यों, अन्य राज्यों में पढ़ने गए नाबालिग छात्रों की कौन लेगा सुध?

नव प्रदेश Exclusive

■ छत्तीसगढ़ स्थित कुछ नवोदय विद्यालयों के 9वीं के छात्र फंसे हैं दूसरे राज्यों में

■ 3 मई के बाद की स्थिति स्पष्ट न होने से अभिभावकों की बढ़ रही चिंता

■ हफ्तेभर या इसके बाद चलाई जा सकती है स्पेशल ट्रेन, डिसाइड हो रहे रूट : सूत्र

नव प्रदेश संवाददाता

बलौदाबाजार/महासमुंद/रायपुर/जांजगीर चांपा। लॉकडउन के इस दौर में कोटा में अध्ययनरत बच्चों की वापसी की चिंता छत्तीसगढ़ के साथ ही प्रायः हर उस राज्य की सरकार कर रही है, जहां के बच्चे वहां अध्ययनरत हैं। लेकिन इस सबके बीच उन बच्चों की वापसी पर और ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है जो दूसरे राज्यों के नवोदय विद्यालय में पढ़ने गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार माना कैंप रायपुर के नवोदय विद्यालय में कक्षा 9वीं के 24 विद्यार्थी अभी भी कर्नाटक के शिमोगा नवोदय विद्यालय में ही हैं। इनमें बलौदाबाजार के 17, रायपुर के 4 व गरियाबंद के 3 बच्चे हैं। खास बात यह है कि इन बच्चों की उम्र कोटा में पढ़ रहे बच्चों से भी कम हैं। जबकि कोटा में पढ़ रहे अधिकतर बच्चे बालिग हैं। रायपुर के अलावा प्रदेश के कुछ अन्य जिलों में स्थित ■ शेष पृष्ठ 5 पर

नाबालिग होने से ज्यादा हो रही चिंता

माना कैंप रायपुर के नवोदय विद्यालय में कक्षा 9वीं के विद्यार्थी हैं। उम्र 14-15 साल है। लिहाजा मनोवैज्ञानिक तरीके से देखा जाए तो इन बच्चों की वापसी पहले होनी चाहिए। नाबालिग होने के कारण इनके मन पर मौजूदा स्थितियों में अपने माता-पिता से दूर रहने का असर उन बच्चों की तुलना में ज्यादा हो सकता है, जो बच्चे खुद को संभाल पाने में सक्षम हैं। इन बच्चों के पालकों की मानें तो उनकी ओर से कलेक्टर व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के जरिए शासन को इन बच्चों के कर्नाटक के स्कूल में होने की सूचना दे दी गई। अभिभावकों को चिंता इसलिए भी हो रही है क्योंकि अभी ये स्पष्ट नहीं है कि लॉकडाउन का दूसरा चरण 3 मई को खत्म होने के बाद यात्री रेल सेवा शुरू हो पाएगी। अभिभावकों का कहना है कि उनके बच्चे वापस आने पर वे उन्हें होम क्वारंटाइन में रखेंगे और कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए हर निर्देश का पालन करेंगे।

इसलिए गए कर्नाटक

देश के हर नवोदय विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को कक्षा 9वीं में तीसरी भाषा के अध्ययन के लिए दूसरे राज्यों के नवोदय विद्यालयों में भेजा जाता है। इसके लिए हर साल 24 छात्रों का चयन किया जाता है। इसी नियम के तहत माना कैंप स्थित नवोदय विद्यालय के भी 24 छात्रों को कर्नाटक के शिमोगा नवोदय विद्यालय कन्नड़ भाषा सीखने के लिए भेजा गया है।

कर्नाटक के बच्चे भी छत्तीसगढ़ में

जिस तरह छत्तीसगढ़ के बच्चे दूसरे राज्यों के नवोदय विद्यालयों में हैं। उसी तरह अन्य राज्यों के बच्चे भी छत्तीसगढ़ के नवोदय विद्यालय में हैं। कर्नाटक के 22 बच्चे माना कैंप स्थित नवोदय विद्यालय में हिंदी सीखने के लिए आए हैं। ये सभी अभी माना में ही हैं।

शिमोगा नवोदय विद्यालय में बचे छग के ही सिर्फ 24 छात्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार कर्नाटक के शिमोगा के नवोदय विद्यालय में अब छत्तीसगढ़ के ही 24 छात्र बचे हुए हैं। वहां के स्थानीय सभी बच्चों को उनके घर भेज दिया गया है। बच्चों का वहां मन नहीं लगने का यह भी एक कारण है। उन्हें लगता है कि वे ही वहां फंसे हुए हैं।

दो बार रिजर्वेशन कैंसल

शिमोगा नवोदय विद्यालय प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ के छात्रों की वापसी के लिए पहले 31 मार्च का रिजर्वेशन कराया गया था। लेकिन 24 मार्च की रात से 14 दिन का लॉकडाउन लगने के कारण इसे कैंसल करना पड़ा। फिर 17 अप्रैल का रिजर्वेशन कराया गया। लेकिन फिर लॉकडाउन का दूसरा चरण शुरू हो गया।

जल्द पालकों के लिए आएगी अच्छी खबर

देशभर के नवोदय विद्यालयों में पढ़ रहे अन्य राज्यों के कुछ बच्चे तो अपने राज्य चले गए हैं। लेकिन कुछ बच्चे अभी भी दूसरे राज्यों के नवोदय विद्यालयों में हैं। इन्हें लाने का प्रयास मिनिस्ट्री लेवल पर चल रहा है। नवोदय विद्यालय समिति के कमिश्नर मानव संसाधन विकास मंत्रालय से लगातार संपर्क में हैं। एचआरडी मिनिस्ट्री बच्चों को उनके राज्य पहुंचाने की व्यवस्था के लिए रेलेवे के संपर्क में हैं। इसके लिए स्पेशल ट्रेन चलाने पर विचार किया जा रहा है। अभी रूट डिसाइड करने को लेकर चर्चा हो रही हैं। सभी रिजन के डिप्टी कमिश्नर भी प्राचार्यों के साथ बैठक कर रहे हैं। उम्मीद है कि 2-3 दिन में रूट डिसाइड हो जाएगा और हफ्ते भर या हफ्ते भर बाद इन बच्चों के पालकों के लिए राहत की खबर आ जाएगी।

यूपी पाणी, प्राचार्य, नवोदय विद्यालय, माना कैंप, रायपुर

चार राज्यों की सीमाओं के कारण आ रही समस्या

कर्नाटक के हावेरी नवोदय विद्यालय के बच्चे हमारे यहां हैं और हमारे यहां के बच्चे वहां हैं। हमने कर्नाटक के बच्चों को बस से पहुंचाने व वहां से अपने बच्चों को लाने के लिए जिला प्रशासन से अनुमति के लिए आवेदन किया है। लेकिन कलेक्टर महोदय की ओर से इंतजार करने के लिए कहा गया है। कर्नाटक पहुंचने चार राज्यों की सीमा से गुजरना होगा इसलिए भी कठिनाई आ रही है। वहीं केंद्र सरकार की ओर से भी प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रशांत रहाटे, प्राचार्य, नवोदय विद्यालय महासमुंद

शासन स्तर पर की जा रही व्यवस्था

रायपुर के नवोदय विद्यालय के बच्चों को वापस लाने के लिए शासन स्तर पर व्यवस्था की जा रही है।

डॉ. एस. भारतीदासन
कलेक्टर, रायपुर

अभी लॉकडाउन है। कोई मूवमेंट नहीं हो सकता। हमने कर्नाटक के नवोदय विद्यालय प्रशासन से कहा है कि वे बच्चों के खान-पान चिकित्सा व अन्य सभी जरूरी सुविधाओं का अच्छे से ध्यान रखे।

कार्तिकेय गोयल
कलेक्टर, बलौदाबाजार

राजधानी पुलिस की मानवता देख सभी ने किया जज्बे को सलाम

बेऔलाद बुजुर्ग की मौत के बाद रायपुर पुलिस ने दिया कंधा

गुढ़ियारी पुलिस ने कराया अंतिम संस्कार, पत्नी ने दी मुखाग्नि

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। लॉकडाउन में ऐसे कई वाक्ये दिल को दहला रहे हैं। सोशियल डिस्टेंसिंग की वजह से लोग कितने निर्मोही हो गए हैं इसका एक वाक्या राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी इलाके में सामने आया। जब एक निःसंतान बुजुर्ग दंपत्ति के यहां पति की मौत हो गई और उसको चार कंधा भी नसीब नहीं हुआ। पति की मौत के बाद पत्नी बेआसरा बैठी शव के सामने रोती-बिलखती रही और कोई भी उसे कंधा देने वाला नहीं मिला। खबर फैली और जैसे ही इसकी जानकारी गुढ़ियारी थाना पुलिस के कानों में पड़ी तो पुलिस वाले बुजुर्ग के लिए कांधा बनकर पहुंचे। इस रुला देने वाले वाक्ये और पुलिस को हमेशा खलनायक समझने वाले भी खाकी को सलाम करते नजर आए। जानकारी के मुताबिक गुढ़ियारी के जनता कालोनी निवासी 85 वर्षीय ■ शेष पृष्ठ 5 पर

सीडब्ल्यूसी की बैठक में मुख्यमंत्री बघेल व मंत्री साहू भी हुए शामिल

सोनिया ने पीपीई किट की कमी व गुणवत्ता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली/रायपुर/नवप्रदेश। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पीपीई किट की कमी और खराब गुणवत्ता पर सवाल उठाया है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्लूसी) की बैठक में सोनिया गांधी ने पीपीई किट की खराब क्वालिटी पर चिंता जाहिर की और साथ ही कहा कि देश में कोरोना टेस्टिंग अभी बहुत कम संख्या में हो रही है, यह काफी चिंता की बात है। बैठक में कोरोना संक्रमण को लेकर बरती जा रही सावधानियां और कांग्रेस शासित राज्यों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। किसानों का मसला उठाते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि लॉकडाउन की वजह से देश के किसान सबसे अधिक परेशान हैं। कमजोर और अस्पष्ट खरीद नीतियों के अलावा सप्लाई ■ शेष पृष्ठ 5 पर

केंद्र से हमने मांगे 30 हजार करोड़ : सीएम बघेल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बैठक में छत्तीसगढ़ में कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम एवं बचावों और जरूरतमंद लोगों के लिए किए जा रहे राहत के कार्यों की ताजा स्थिति की जानकारी दी। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि कोविड-19 संकट के समय केन्द्र सरकार को आगे बढ़कर राज्यों को आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। तभी कोविड-19 के विरुद्ध इस लड़ाई को जीता जा सकेगा। बघेल ने सोनिया गांधी को बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 30 हजार करोड़ रुपए के पैकेज की मांग की गई है। जिससे प्रदेश के लाखों जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत और कल्याणकारी योजनाओं तथा राज्य के सामान्य काम-काज का संचालन सुचारू रूप से संभव हो सके। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में लॉकडाउन लागू है। कुछ अत्यावश्यक सेवाओं के लिए छूट दी गई है। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। गरीब परिवारों को तीन माह का राशन निःशुल्क दिया जा रहा है। *(पढ़ें पेज6...)*

कैमरामैन व 3 जवानों की हत्या में शामिल नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। दूरदर्शन चैनल के कैमरामैन व 3 जवानों के हत्या में शामिल नक्सली ने आत्मसमर्पण कर दिया है। डीआईजी - सीआरपीएफ डीएन लाल एवं दंतेवाड़ा एसपी के समक्ष उन्होने आत्म समर्पण किया। आत्म समर्पित नक्सली ताती लखमा पर एक लाख का इनाम था। ताती लखमा मलंगीर एरिया कमेटी में सीएनएम कमांडर था। लखमा 2008 से नक्सली संगठन से जुड़ा हुआ है। हत्या, पुलिस पार्टी पर फायरिंग, आगजनी जैसे कई मामलों में शामिल रहा।

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी
कोरोना से लंबी चलेगी लड़ाई

जिनेवा/नई दिल्ली (वार्ता)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना वायरस 'कोविड-19' को बेहद खतरनाक करार देते हुये चेतावनी दी है कि इसका कहर लंबे समय तक जारी रहेगा। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक तेद्रोस गेब्रियेसस ने कोविड-19 पर नियमित प्रेसवार्ता के दौरान बुधवार को कहा कि विभिन्न भू-क्षेत्रों में यह महामारी अलग-अलग चरणों में है। एक ही क्षेत्र के भीतर भी इसमें विविधता है। पश्चिमी यूरोप में या तो इसके नये मामलों में स्थिरता आ गयी है या वे घट रहे हैं। अफ्रीका, मध्य एवं दक्षिण अमेरिका और पूर्वी यूरोप में मामले कम हैं लेकिन चिंताजनक रूप से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा अधिकतर देशों में यह महामारी अभी आरंभिक चरण है। कुछ देशों में जहाँ यह बहुत पहले आयी थी वहाँ दुबारा इसका प्रकोप बढ़ रहा है।

पीएम मोदी की वित्तमंत्री के साथ आज बैठक

किसानों-कारोबारियों पर हो सकता है बड़ा फैसला

नई दिल्ली ए.। कोरोना वायरस के चलते देशभर में लॉकडाउन के बीच अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला के साथ अहम बैठक होने जा रही है, जिसमें कोविड-19 के राहत पैकेजों पर चर्चा हो सकती है। पीएम मोदी के साथ वित्तमंत्री की यह बैठक कल यानी शुक्रवार दोपहर 12 बजे होगी, जिसमें वित्त मंत्रालय के अहम सदस्य शामिल होंगे। इस बैठक में प्रधानमंत्री वित्त मंत्रालय से स्थिति का जायजा लेंगे और आर्थिक समीक्षा करेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कई कदम ■ शेष पृष्ठ 5 पर

केंद्रीय कर्मियों के डीए पर 1 जुलाई 2021 तक रोक

नई दिल्ली (वार्ता)। *सरकार ने कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न मौजूदा आर्थिक स्थिति को देखते केन्द्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते पर जून 2021 तक रोक लगा दी है और वर्तमान दरें जून 2021 तक जारी रहेंगी। इस संबंध में वित्त मंत्रालय द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार कोविड -19 से उत्पनन संकट को देखते हुये केन्द्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों के एक जनवरी 2020 से* ■ शेष पृष्ठ 5 पर

आरक्षक भर्ती : शारीरिक दक्षता परीक्षा आगामी आदेश तक स्थगित

रायपुर। डीजीपी डीएम अवस्थी ने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए आरक्षक भर्ती प्रक्रिया के तहत होने वाली शारीरिक दक्षता परीक्षा को आगामी आदेश तक स्थगित करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि आरक्षक भर्ती प्रक्रिया की लिखित परीक्षा में सम्मिलित उम्मीदवारों की शारीरिक दक्षता परीक्षा 1 मई से आयोजित ■ शेष पृष्ठ 5 पर

अर्णब पर हमला हुआ भी या नहीं, यही जांच का विषय?

संभव है कि अर्णब गोस्वामी पर हमला हुआ हो। यह भी संभव है कि हमला न हुआ हो। ... तो खबर यह है कि रिपब्लिक टीवी के एडिटर इन चीफ एंकर अर्णब गोस्वामी बुधवार की रात हमले के शिकार हो गए हैं। खुद अर्णब गोस्वामी ने एक वीडियो जारी कर कहा है कि उन पर हमला करने की कोशिश की गई। पहले तो हमलावरों ने गाड़ी का शीशा तोड़ने की कोशिश की और जब नाकामयाब रहे तो गाड़ी में स्याही फेंक दी। हमलावरों की संख्या दो थी और वे मोटर साइकिल पर थे। अर्णब गोस्वामी पर यह हमला रात सवा बारह बजे के आसपास गणपत राव कदम मार्ग पर हुआ। जब हमला हुआ तब गोस्वामी अपनी पत्नी के साथ बॉम्बे डायिंग कॉम्प्लेक्स स्थित एक स्टूडियों से घर लौट रहे थे। गोस्वामी पर हुए इस हमले के बाद कई तरह के सवाल उठ रहे हैं और नागरिक पत्रकारिता को महत्वपूर्ण मानने वाले लोग (मुख्यधारा की मीडिया जब तक पुलिस कुछ नहीं बताती तब तक पत्रकारिता नहीं करते इसलिए लिखा- नागरिक पत्रकारिता) कुछ नए सवालों के साथ जांच-पड़ताल की मांग भी कर रहे हैं।

नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि गोस्वामी साहब लॉकडाउन में देर रात अपनी पत्नी के साथ क्या कर रहे थे। बहुत संभव है कि पत्नी कामकाज में सहयोग करती हो या साथ में कार्य करती हो। यह सवाल बेमानी सा है। फिर भी उठ रहा है। लोग कह रहे हैं कि गोस्वामी साहब जिस स्टूडियो से निकले वहां का सीसीटीवी फुटेज खंगालकर यह देखा जाना चाहिए कि बुधवार की रात उनकी पत्नी

मीडिया विशेष

उनके दफ्तर आई भी थी या नहीं? वे खुद स्टूडियो से कितने बजे निकले और गणपतराव मार्ग कितने बजे पहुंचे थे. नागरिक यह सवाल भी उठा रहे हैं कि गणपतराव मार्ग के आसपास के तमाम सीसीटीवी फुटेज से भी यह जानने में मदद मिल सकती है कि हमला हुआ भी था या नहीं ?

विवादित होने की वजह से अर्णब गोस्वामी देश के बड़े पत्रकार बन गए हैं। जब वे बड़े पत्रकार है तो जाहिर सी बात है कि उन्हें तगड़ी सुरक्षा हासिल है। हालांकि यह सुरक्षा रवीश कुमार को मिलनी चाहिए जो सत्ता की बधिया उधेड़ते रहते हैं, लेकिन गोस्वामी साहब सुरक्षा में घूम रहे हैं जो सत्ता से सवाल ही नहीं करते। भला उन्हें सुरक्षा क्यों चाहिए? खैर अर्णब गोस्वामी ने अपने वीडियो में यह बताया है कि घटना के दौरान उनके सुरक्षाकर्मी पीछे रह गए थे। अब सवाल यह है कि लॉकडाउन में जब चप्पे-चप्पे पर पुलिस मौजूद है तब हमला कैसे हो जाता है और गोस्वामी साहब ऐसी सुरक्षा लेकर चलते ही क्यों है जो पीछे रह जाती है?

नागरिक यह भी सवाल उठा रहे हैं कि गोस्वामी साहब को बगैर पुलिसिया पड़ताल के यह कैसे पता चला कि जो लोग पकड़े गए हैं वे युवक कांग्रेस के हैं। वैसे हम सबने कई बार चुनाव के दौरान यह देखा है कि चुनाव जीतने के लिए नेताजी अपने ऊपर हमले करवा लेते हैं। सहानुभूति में कुछ वोट तो मिल ही जाते हैं। खैर... गोस्वामी जी चुनाव मैदान में नहीं है। बताते हैं कि अर्णब के परिवार वाले भी भाजपा से ही हैं। हमने यह भी देखा है कि जिसके ऊपर एफआईआर हो जाती है उसके सीने में अचानक दर्द उठता है और वह फिर अस्पताल में एडमिट हो जाता है। एफआईआर होते ही बौखलाहट में क्रिया-प्रतिक्रिया दोनों ■ शेष पृष्ठ 5 पर

लॉक डाउन: रेलवे जोन ने पार्सल ट्रेनों में 5 लाख 7 हजार किग्रा खाद्यान्न-दवाईया का परिवहन

■ **लॉक डाउन के दौरान रेलवे जोन ने पार्सल ट्रेनों में 5 लाख 7 हजार किलोग्राम खाधान्न एवं दवाईया सामग्री का परिवहन किया**

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर । कोविड-19 (कोरोना वायरस) के संक्रमण को रोकने के मद्देनजर लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य सामग्री, दवाएं, चिकित्सा आपूर्ति, चिकित्सा उपकरण, खाद्य तेल, आदि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न दिशाओ से चालने वाली 10 पार्सल ट्रेनों का परिचालन किया जा रही है। इसी कडी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 04 विशेष पार्सल ट्रेनों एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेलवे से होकर 06 विशेष पार्सल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है ।

लॉक डाउन के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने पार्सल ट्रेनों के द्वारा 5 लाख 7 हजार से अधिक किलोग्राम की आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य सामग्री, दवाएं, चिकित्सा आपूर्ति, चिकित्सा उपकरण, खाद्य तेल, आदि आवश्यक वस्तुओं परिवहन किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली सभी पार्सल ट्रेन जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है-

1 00875/00876 दुर्ग-छपरा -दुर्ग के मध्य विशेष पार्सल ट्रेन - यह गाडी दुर्ग से 24, 25, 27 एवं 29 अप्रैल एवं 01, 02 मई को एवं छपरा से 24, 26, 27 एव 29 अप्रैल एवं 01 मई को चलेगी। इस गाड़ी दुर्ग से 10.00 बजे रवाना होकर रायपुर 10.40 बजे पहुचकर 11.00 बजे रवाना होकर उसलापुर 13.10 बजे पहुचकर 13.30 बते रवाना होगी, पेण्ड्रारोड 15.15 बजे, अनूपपुर 16.10 बजे, शहडोल 17.10 बजे, कटनी 20.30 बजे, सतना 22.50 बजे , मानिकपुर 01.10 बजे, प्रयागराज 04.30 बजे, मिर्जापुर 07.20 बजे, वाराणसी 09.30 बजे एवं छपरा 17.00 बजे पहुचेगी। इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी छपरा से सुबह 08.00 बजे रवाना होकर बनारस 13.45 बजे, मिर्जापुर 15.30 बजे, प्रयागराज 15.15 बजे, मानिकपुर 20.15 बजे, सतना 21.35 बजे, कटनी 00.15 बजे, शहडोल 03.25 बजे, अनूपपुर 05.15 बजे, पेण्ड्रारोड 06.50 बजे, उसलापुर 08.50 बजे पहुचकर 09.10 बजे रवाना होकर रायपुर 11.10 बजे पहुचकर 11.30 बजे रवाना होकर दुर्ग 12.30 बजे पहुचेगी।

2 00873/00874 दुर्ग -अम्बिकापुर -दुर्ग के मध्य विशेष पार्सल ट्रेन -यह गाडी दुर्ग से दिनांक 24, 27 एवं 29 अप्रैल एवं 01 मई को तथा अम्बिकापुर से दिनांक 23, 25, 28 एवं 30 अप्रैल एवं 02 मई को चलेगी ।यह इस गाड़ी का ठहराव दोनों दिशाओं में रायपुर, उसलापुर, पेण्ड्रारोड, अनूपपुर, बिजुरी, बैकुंठपुर रोड स्टेशनों में दिया गया है। जिसकी समय सारणी इस प्रकार है- दुर्ग से 07.00 बजे रवाना होकर रायपुर 07.40 बजे, उसलापुर 10.10 बजे, पेण्ड्रारोड 12.00 बजे, अनूपपुर 13.00 बजे, बिजुरी 14.30 बजे, बैकुठपुर रोड 15.55 बजे एवं अम्बिकापुर 18.30 बजे पहुचेगी। इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी अम्किपुर सुबह 08.00 बजे रवाना होकर बैकुठपुर रोड 09.30 बजे, बिजुरी 10.40 बजे अनूपपुर 11.15 बजे, पेण्ड्रारोड 13.10 बजे, उसलापुर 15.15 बजे, रायपुर 17.45 बजे एवं दुर्ग 19.00 बजे पहुचेगी।

■ न्यूज गैलरी

9 वर्षीय बच्ची ने कलेक्टर को सौंपा अपना गुल्लक

मुंगेली। कोरोना संकट में लोगो की मदद करने जिले के शासकीय, अशासकीय संस्थाएं, सामाजिक संस्थाएँ सहित व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री राहत कोष तथा जिला राहत कोष में दान कर रहे है। इसी क्रम में आज मुंगेली जिला के 9 वर्षीय बालिका अन्वेशा देवांगन ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दान हेतु अपना गुल्लक कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे को सौंपा। जिसमे एक, दो और पांच रुपये के सिक्कों के साथ कुल मिलाकर 3001 रुपए मुख्यमंत्री सहायता कोष में दान की। कलेक्टर डॉ भुरे ने नन्ही अन्वेशा देवांगन के इस योगदान की प्रशंसा करते हुये उन्हें सर्टिफिक्रेट और सेनेटाइजर देकर सम्मानित कर शाबाशी दी और कहा कि छोटी उम्र में बड़ा काम किया है। अन्वेशा के पिता राजेश देवांगन ने बताया कि अखबार और न्यूज चैनल के माध्यम से इस बच्ची को जब पता चला कि हमारे देश में कोरोना नामक महामारी फैल चुका है और इस मुसीबत में सभी लोग यथा संभव आर्थिक रूप से सरकार की मदद कर रहे हैं, जिसे देख इस बच्ची से भी रहा नहीं गया और इस बच्ची ने अपने पिता राजेश देवांगन और अपने वार्ड पार्षद श्रीनिवास सिंह को मुख्यमंत्री सहायता कोष में मदद करने की बात कही श्री देवांगन ने बताया कि अन्वेशा पिछले 2 साल से गुल्लक में पैसे संचित कर रही थी।

स्व. श्रीमति नंदबाई गुप्ता की स्मृति में जिला सहायता कोष के लिए दिये 75 हजार रूपये का चेक

मुंगेली। नोवेल कोराना (कोविड-19) के वैश्विक संक्रमण को देखते हुए जिले के कई सामाजिक संगठनों और समाज सेविओं द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं जिला सहायता कोष के लिए मुक्त हस्त से दान देने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी मे आज मुंगेली जिले के उमेश केशरवानी, श्रीमती स्नेहा केशरवानी, अजय गुप्ता जी के द्वारा अपने स्व. माता श्रीमति नंदबाई गुप्ता, पिता स्व. श्रीराम गुप्ता के स्मृति में जिला मुंगेली सहायता कोष में 75 हजार रूपये का चेक जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमति नुपूर राशि पन्ना को दिया गया तथा जरूरतमंदो को 21 हजार रूपये के भोजन पैकेट्स एवं 4 हजार रूपये के मास्क प्रदान किया गया ।

‘जिला सहायता कोष’ में 51000 रूपये का किया योगदान

मुंगेली। नोवेल कोराना (कोविड-19) के वैश्विक संक्रमण को देखते हुए जिले के कई सामाजिक संगठनों और समाज सेविओं द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं जिला सहायता कोष के लिए मुक्त हस्त से दान देने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी मे आज मुंगेली जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र कश्यप के मार्गदर्शन में एकीकृत बाल विकास परियोजना मुंगेली-1 के परियोजना अधिकारी श्रीमती मृदुला ऋषि के नेतृत्व में समस्त सुपरवाइजर एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं के द्वारा कोरोना संक्रमण से निपटने एवं जरूरतमंद मजदूर, असहाय लोगों की मदद के लिए जिला मुंगेली सहायता कोष में 51000.00 राशि का योगदान जिला पंचायत मुंगेली के मुख्यकार्य पालन अधिकारी श्रीमती नुपूर राशि पन्ना को दिया गया।

पूर्व विधायक प्रतिनिधि प्रतिबंधित सामाग्री के साथ गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर । किराना दुकान की आड़ में नशे की सामग्री की बिक्री करने वाले दुकान संचालक तथा बंद कपड़ा दुकान को खोलकर सामान बेचते हुए पाए जाने पर क्लॉथ स्टोर के संचालक को एसडीएम और एसडीओपी की संयुक्त टीम ने पकड़ उनके खिलाफधारा 188 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है,

ज्ञात हो कि लाक डाउन की स्थिति का जायजा लेने के लिए एसडीएम आनंदरूप तिवारी और एसडीओपी रश्मीत कौर चावला आज नगर पहुंचे और विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया,वही निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि पुराना बस स्टैंड के पास स्थित महादेव रेडीमेड क्लॉथ स्टोर जो कि लाक डाउन पर भी दुकान का संचालन कर संचालक द्वारा सामान की बिक्री कर रहा है,टीम ने सूचना पर मौके लर पहुँच दुकान संचालक को सामान बेचते हुए धर दबोचा,वहीं निरीक्षण के दौरान तमेरपारा में संतोष लोक चंदानी के द्वारा किराना दुकान संचालित किया जा रहा है,जिसमें वह किराना दुकान की आड़ में नशे की सामग्री भी बेच रहा है,शिकायत पर जब दुकान की तलाशी ली गई तो यहां पर नशे की सामग्री पाया गया दोनों दुकान संचालकों के खिलाफ धारा 188 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को जांच में लिया है,इसके साथ ही वही टीम के नगर में पहुंचने की जानकारी मिलते ही कुछ दुकानदार भी अपना सामान जल्दी-जल्दी जल्दी समेटने लगे।

लॉक डाउन में तमेरपारा स्थित भाजपा नेता व पूर्व विधायक प्रतिनिधि स्वास्थ विभाग संतोष लोकचंदानी द्वारा अपने किराना दुकान के आड़ में सिगरेट आदि बेच रहा था,देखा जाए तो स्वास्थ विभाग का प्रतिनिधि रहने के बावजूद भाजपा नेता वर्तमान में लोगो के स्वास्थ्य के साथ कर रहा खिलवाड़,जिसपर कोटा एसडीओपी श्रीमती रश्मीत कौर चावला व एसडीएम आनंद रूप तिवारी ने 188 के तहत उसे गिरफ्तार किया है वहीं भाजपा नेता के गिरफ्तार होते ही नगर में चर्चा जोरों शोरों से चल रहा है ।

ट्रक से आईसर टकराया, हेल्पर की मौके पर मौत, एक घायल

बिलासपुर । रतनपुर आईसर ट्रक से परचून खाली कर अंबिकापुर से भाटापारा लौट रहा ट्रक जैसे ही देर रात 3 बजे करीब रतनपुर भरारी पावर प्लांट के पास में पहुंची तभी अनियंत्रित होकर खड़ी ट्रक से जाकर टकराई । जिसमें हेल्पर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई । वही एक युवक को मामूली चोटें आई । जबकि ड्राइवर बाल-बाल बच गया । इस घटना के बाद खड़ी ट्रक अपना वाहन लेकर चला गया । कुछ वाहन चालकों ने इसकी सूचना रतनपुर पुलिस के साथ 108 को दिया । तब स्टॉप घटनास्थल पर पहुंचे । जहां पर से घायल युवक को लाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर में भर्ती कराया । जबकि मृतक को अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया ।

इस संबंध में रतनपुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि आईसर ट्रक क्रमांक ड्ड एम एच ड्ड 40 – बीजी -9067 अंबिकापुर से परचून खाली कर रात 10 बजे भाटापारा जा रहा था । रात 3 बजे करीब वह रतनपुर के भरारी पावर प्लांट के पास में पहुंचा ही था कि सड़क किनारे खड़ी ट्रक से जा टकराया । जिसमें घटनास्थल पर ही हेल्फर रेहान यादव पिता प्रकाश यादव उम्र 24 वर्ष बीरगांव पारडी नागपुर निवासी की मौत हो गई ।

वही ट्रक में बैठा युवक चंद्रशेखर राव पिता आनंद राव उम्र 24 वर्ष बीरगांव पारडी नागपुर निवासी को मामूली चोटें आई । जबकि ड्राइवर संतोष बघेल पिता शालिक राम बघेल उम्र 40 वर्ष बाल बाल बच गया । इस घटना को देखकर वाहन चालकों ने रतनपुर पुलिस को सूचना दिया । वही 108 को सूचना दिया । तब स्टॉप घटनास्थल पर पहुंचे ।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर भगा कर ले जाने वाले युवक गिरफ्तार

बिलासपुर । रतनपुर क्षेत्र के ग्राम सेमरा भरारी की 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को सेमरी गांव का 27 वर्षीय युवक पिछले वर्ष बहला-फुसलाकर उड़ीसा भगाकर ले गया था । इसकी जानकारी लगते ही परिजनों ने रतनपुर थाना में पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी । रतनपुर पुलिस गुमशुदगी के साथ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच में जुटी थी। इसी दौरान उसे पता चला कि बुधवार को युवक अपने घर लौटा है । जिसके बाद रतनपुर पुलिस ने युवक के घर से नाबालिग को बरामद कर युवक को गिरफ्तार कर थाना ले आई । जहां पर 376, आईपीसी के तहत अपराध दर्ज किया । वही 4,6 पाक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया है ।

रमजान में घरों में ही करनी होगी इबादत

■ **लॉक डाउन के नियमों का करना होगा पालन, शांति समिति की बैठक में निर्णय**

बिलासपुर । 24 अप्रैल से आरंभ हो रहे रमजान माह में रोजा और इबादत सोशल डिस्टेंसिंग रखते हुए और लॉकडाउन के दौरान शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी एडवाईजरी का पालन करते हुए की जाए।

जिला शांति समिति की बैठक आज अतिरिक्त कलेक्टर बी.एस.उईके की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में नगर निगम के महापौर रामशरण यादव भी विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में समिति के सदस्यों ने बताया कि रमजान पर्व के दौरान मस्जिद में नमाज अदा नहीं की जाएगी। लोग अपने-अपने घरों में नमाज पढ़ेंगे और शासन के निर्देशों का अक्षरशः पालन करेंगे।

महापौर श्री यादव ने समिति के सदस्यों के माध्यम से मुस्लिम समाज के लोगों से अपील की कि कोरोना के संक्रमण को देखते हुए रमजान पर्व के दौरान ज्यादा भीड़भाड़ न करें और सोशल डिस्टेंसिंग से एक दूसरे का सहयोग कर भाईचारा से यह पर्व मनाएं।

समिति के सदस्यों की मांग पर प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि छूट दिये गये समय पर मस्जिदों से अजान हो सकता है। पर्व के दौरान पानी की व्यवस्था, साफ-सफाई की व्यवस्था, विद्युत आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये। समिति के सदस्यों ने ध्यान आकर्षित कराया कि प्रवासी मजदूर जो त्रिवेणी भवन में रूके हुए हैं, उनमें मुस्लिम समुदाय के लोग भी शामिल हैं। उन्हें रोजा रखने के लिये सुविधाएं देने का आग्रह किया।

पैराडाइज स्कूल के शिक्षक अपने घर से बच्चों को ऑनलाइन दे रहे शिक्षा

कांकेर। देश को लॉकडाउन की कठिन स्थिति से गुजरना पड़ रहा है। संस्थाए बंद है ।विद्यालय बंद है। घर पर रहिए, सुरक्षित रहिये का पालन सम्पूर्ण देश के साथ-साथ पैराडाइज भी कर रहा है। पैराडाइज स्कूल के बच्चे घर पर रहकर ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त कर रहे है। लॉकडाउन के चलते पैराडाइज स्कूल के शिक्षकों ने अपने घर पर ही रहकर प्राचार्य श्रीमति रश्मि रजक एवं सहयोगी शिक्षक हरी गोलुगुरी के आँनलाइन मार्ग दर्शन में शिक्षको को उनके घर पर रहकर ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने के लिये ऑनलाइन मार्ग दर्शन प्रदान किया गया जिसके फलस्वरुप कक्षा नवमी , दसवी , ग्यारहवी और बारहवी की कक्षाओं का ऑनलाइन शिक्षा प्रदान किया जा रहा है जिसमें सभी कक्षाओं के विषय शिक्षक एक दिन में दो विषयों का शिक्षण ऑनलाइन द्वारा अंग्रेजी , साइन्स , सोशल साइन्स , हिन्दी एवं संस्कृत के साथ आर्ट योग एवं व्यायाम का प्रशिक्षण प्रदान कर छत्तीसगढ शासन द्वारा ऑनलाइन शिक्षा ''पढाई तुम्हर दुआर'' कार्यक्म में अपनी सहभागिता प्रदान करने का प्रयास कर रहे है।

गुमराह कर रहे दो युवकों ने कड़ी पूछताछ में पुलिस को बताई सारी सच्चाई

■ **पुलिस को बताया कि ओडिसा के धनपुर से बाइक लेकर निकले थे दोनो युवक**

बचेली । सुबह 2 युवकों द्वारा मालगाड़ी से आने की खबर वार्ड वासियों ने पार्षद रीना दुर्गा को दी। जिसके बाद पार्षद ने तुरंत ही अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ दोनो युवकों से उनके निवास जाकर बातचीत की। तो दोनों युवकों संजय मंडल 22 वर्षीय,मनोज मंडल 26 वर्षीय ने बताया की वे दोनो काम के सिलसिले में ओडिसा के धनपुर गए थे लाकडाउन कि वजह से काम बंद हुआ एवं वहां फंस गए स्टेशन में ही दोनो इतने दिनों तक रह रहे थे। कल रात मालगाड़ी से निकले एवं आज सुबह बचेली पहुंचे है। युवकों ने ये भी बताया की स्टेशन मास्टर से बात कर गार्ड के साथ बचेली आये है। जिसके बाद जनप्रतिनिधियों ने इसकी जानकारी स्थानीय प्रशासन को दी,स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दोनों युवकों से पूछताछ कर होमकोरिन टाइन कर दिया। स्वास्थ्य विभाग के डॉ के के चन्द्रवंशी को भी युवकों ने यही जानकारी दी। निष्पक्ष मीडिया के रिपोर्टर के द्वारा पूछे जाने पर भी इन लोगो ने मालगाड़ी से आना बताया। जानकारी लगते ही पुलिस प्रशासन ने इस मामले में खोजबीन शुरू करदी दोनो युवकों से पूछताछ किये जाने पर वे अपने बयान में डटे रहे जिसके बाद थाना प्रभारी मनीष नागर ने रेलवे जाकर वहां के ड्राइवर एवं गार्ड से गहन पूछताछ की जिसमें रेलवे गार्ड एवं ड्राइवर ने किसी को भी साथ लाने से साफ मना कर दिया एवं उन्होंने पुलिस को बताया की युवक जिस स्टेशन की बात कर रहे है वहां मालगाड़ी रुकी ही नही। एवं उस समय मालगाड़ी इतनी ज्यादा गति में थी जिसमे किसी का चढ़कर आना नामुमकिन है। जिसके बाद

शहर का जायजा लेने निकले एसपी नेहरू चौक में खुद सम्हाली कमान

बिलासपुर । शहर में लॉकडाउन की स्थिति को जानने एसपी प्रशांत अग्रवाल और एएसपी संजय ध्रुव सड़क पर नजर आए, उन्होंने नेहरू चौक पर खड़े होकर लोगों से पूछताछ की, और बेवजह घूमने वालो पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

शहर में लॉक डाउन के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखने तथा बेवजह घरों से निकलने वालों पर नज़र रखने पुलिस प्रशासन अपनी बेहद अहम भूमिका निभा रही है यही वजह है कि क्षेत्र में कोरोना जैसे गम्भीर संक्रमण से निजात है , आला अधिकारी स्वम् अपनी कक्ष से निकल कर व्यवस्थाओं का जायज़ा ले रहे हैं आज पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल ने खुद ही सड़कों पर खड़े नजर आए , जिन्होंने नेहरू चौक होकर आने-जाने वाले मोटरसाइकिल कार सवारों को रोककर उनकी जानकारी ली और बेवजह केवल घूमने के लिए न निकलने की सलाह दी , यही अति आवश्यक कार्य हैं तभी वह कदम बाहर निकालें , इस दौरान जिन्होंने संतुष्ट जवाब दिया उसे उन्होंने जाने दिया, और जिनका जवाब संतोषजनक नहीं था, उन पर कार्रवाई करने से भी गुरेज नही की । वहीं नेहरू चौक पर ट्रैफिक्र के जवान पुलिस अधीक्षक को अपने बीच पाकर काफी खुश और एक्टिस नज़र आये , पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण संजय ध्रुव भी मौजूद थे।

लॉकडाउन में आय का जरिया बना वनोपज संग्रहण

कांकेर। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव और नियंत्रण के लिए शासन द्वारा दिये गये निर्देषानुसार जिले में धारा-144 (1) लागू की गई है, साथ ही लॉकडाउन भी किया गया है। ऐसे विषम परिस्थिति में वनोपज संग्रहण वनवासियों के लिए आय का जरिया बन चुका है। ग्रामीणों द्वारा संग्रहित वनोपज को महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा खरीदा जा रहा है और वनोपज का नकद भुगतान भी किया जा रहा है। वनवासियों द्वारा महुआ, हर्रा, बहेड़ा, चार इत्यादि का विक्रय गांव के महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा की जा रही है और वाजिब कीमत भी प्राप्त कर रहे हैं, इससे उन्हें साप्ताहिक बाजार में जाकर वनोपज बेचने के झंझट से मुक्ति भी मिल चुकी है। सरकार द्वारा महुआ की दर को बढ़ाकर प्रति किलो अब 30 रूपये कर दिया गया है, जिससे संग्राहकों में खुषी की लहर देखी जा रही है।

ग्राम पंचायत विकास योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए कांकेर जिले को मिलेगा पुरस्कार

कांकेर। जिले के सभी 454 ग्राम पंचायतों में लाईन डिपार्टमेन्ट के साथ अभिसरण कर तथा गांव में उपलब्ध संसाधनों व आवश्यकताओं को देखते हुए वहॉ के स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम सभा से चर्चा व जानकारी लेकर गांव को विकास की 05 वर्षों के लिए कलेक्टर श्री के.एल. चौहान एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे के मार्गदर्शन में कार्ययोजना तैयार किया गया है, जिसमें कांकेर जिले के ''ग्राम पंचायत विकास योजना (ळच्क्द्ध'' की सराहना राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा है। ''पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार , नई दिल्ली'' के द्वारा पहली बार ''ग्राम पंचायत विकास योजना (ळच्क्)'' को राष्ट्रीय पुरस्कार के श्रेणी में शामिल किया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग की महत्वकांक्षी योजना ''पढ़ाई तुंहर दुआर'' जिले में प्रारंभ

मुंगेली। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग की महत्वकांक्षी योजना ''पढ़ाई तुंहर दुआर'' योजना के अंतर्गत मुंगेली जिले में भी यह योजना प्रारंभ हो चुका है। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के मार्गदर्शन में जिले के 50 हजार 881 विद्यार्थी और 3 हजार 931 शिक्षक विभाग के वेब पोर्टल में पंजीयन करा चुके है और लगातार पंजीयन का कार्य लगातार हो रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी जी.पी भारद्वाज ने आज यहां बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग की महत्वकांक्षी योजना ''पढ़ाई तुंहर दुआर'' योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए जिले के 56 संकुलों में संकुल नोडल अधिकारियों का चयन किया जा चुका है और प्रत्येक विकासखण्ड में विकास खण्ड प्रभारी अधिकारी व विकासखण्ड नोडल अधिकारी को जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होने बताया कि ''पढ़ाई तुंहर दुआर'' योजना के अंतर्गत कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थी अपने घरों में बैठकर एंड्राइड फोन और सामान्य फोन के द्वारा विभिन्न विषयों के शैक्षणिक सामग्रियों को ऑडियों, वीडियों के रूप में देख व सुन सकते है। साथ ही चार स्तर पर ऑनलाइन कक्षाऍ भी प्रारंभ हो चुकी है। पहले स्तर पर राज्य स्तर से उत्कृष्ट शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन अध्यापन कराया जा रहा है। दूसरे स्तर पर एससीईआरटी के विषय विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन कक्षाऍ ली जा रही हैं। इसी प्रकार जिला स्तर पर डाइट के द्वारा चिन्हित उत्कृष्ट शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन कक्षाऍ व ऑडियो सामग्री तैयार किया जाएगा । विकासखण्ड, संकुल तथा स्कूल स्तर पर भी विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को जागरूक करके शिक्षकों द्वारा कक्षा लिया जा रहा है । गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को ध्यान में रखते हुए विषय विशेषज्ञों द्वारा वेबपोर्टल में ऑडियो, वीडियो, नोट्स और असाइनमेंट भी अपलोड किया जा रहा है, ताकि लॉक डाउन जैसे इस कठिन परिस्थिति में भी छात्रों की पढ़ाई में नुकसान ना हो। उन्होने बताया कि पोर्टल में शिक्षकों द्वारा घर बैठे गृह कार्य देकर जांचने तक की सुविधा दी गई है। कोविड-19 जैसी गंभीर समस्याओं में भी छात्रों की पढ़ाई में कोई बाधा ना आए, इस उद्देश्य से इस वेब पोर्टल में वर्चुअल क्लास का भी निर्माण किया गया है। इसमें स्कूल के शिक्षक व विद्यार्थी वर्चुअल कक्षाओं के द्वारा विषय की पढ़ाई करते है।

कोरोना लॉकडाउन : छत्तीसगढ़ में इस वक्त ठहरा हुआ बाहर का हर एक नागरिक हमारा मेहमान

12 राज्यों और 17 जिलों के 205 लोगों को मिला आश्रय; भोजन के साथ ही चिकित्सा व अन्य जरूरी सुविधाएं भी

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर के लाभांडी में लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद और बेसहारा लोगों के लिए बनाए गए आश्रय स्थल का मुआयना कर वहां की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वहां रूके लोगों से बातचीत करते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में इस वक्त रूका हुआ बाहर का कोई भी व्यक्ति हमारा मेहमान है। किसी को परेशान होने की कोई जरूरत नही है। ऐसे लोगों की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति हम करेंगे। ज्ञातव्य है कि देश के विभिन्न हिस्सों के ऐसे जरूरतमंद लोग, जो करोना वायरस के कारण लॉक डाउन की स्थिति में रायपुर में फंसे हैं, के लिए जिला प्रशासन द्वारा लाभांडी में कोरोना राहत शिविर- आश्रय स्थल बनाया गया है ।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इनसे की चर्चा

राजधानी में बने शिविर में 12 राज्यों और 17 जिलों के भटक रहे 205 लोगों को आश्रय, भोजन और सुविधा दी गई है। मुख्यमंत्री ने यहां रूके एक - एक व्यक्ति से मुलाकात की और उनसे कहा कि वे राज्य के मेहमान है और उन्हें यहां किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी, वे निश्चिंता से रहे और अपने घर -परिवार को भी अपनी कुशलता की जानकारी दें।

मिलेगी हर संभव मदद

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होने झारखंड सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियो से बातचीत की है और आश्वस्त किया कि उनके राज्यो के लोग छत्तीसगढ में अच्छे से रहेंगे। उन्होंने छत्तीसगढ के मजदूरों और नागरिको के उनके राज्यों मे फंसे होने की स्थिति में उनसे हर संभव सहयोग देने का आग्रह भी किया है। यह भी कहा कि ऐसे ही आश्रय शिविर राज्य के सभी जिलो में बनाएं गए है।

रुके नागरिकों मे सबसे अधिक

नागरिक मध्यप्रदेश के 27 और झारखंड के 19 है। जिले मे सबसे अधिक बलौदाबाजार के 18 और दुर्ग के 13 है। छत्तीसगढ़ के 121 और रायपुर जिले के 40 है।

दूसरे राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के 6 हजार 937 श्रमिकों को मिली राहत

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोरोना वायरस महामारी के कारण पूरे देश में लागू लॉकडाउन की स्थिति में देश के विभिन्न राज्यों और राज्य के अनेक स्थानों, संस्थानों में फंसे श्रमिकों के समस्याओं का समाधान कर प्रशंसनीय कार्य किया है। उल्लेखनीय है कि 31 मार्च की स्थिति में लगभग 6 हजार 937 श्रमिक कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम के लिए घोषित लॉकडाउन के कारण विभिन्न राज्यों में फंसे हुए थे। लॉकडाउन से प्रभावित छत्तीसगढ़ प्रदेश के अन्य राज्यों फंसे स्थानीय मजदूरों राज्य सरकार प्रदेश के संकटग्रस्त एवं जरूरतमंद श्रमिकों-कर्मकारों को आवश्यकता के अनुसार तत्कालिक सहायता प्रदान करने के लिए हेतु राज्य के नोडल अधिकारी एवं श्रम सचिव के मार्गदर्शन में 11 हजार 584 श्रमिकों को राज्यों के अधिकारियों और संबंधित नियोक्ताओं एवं संबंधित श्रमिकों से समन्वय कर खान-पान एवं आवास की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

संकट के बीच गरीब, निराश्रित व अप्रवासी लोगों के लिए की जा रही पहल ला रही रंग

लॉकडाउन में मिल रहे अपनत्व से अभिभूत हुए अप्रवासी लोगों को भा गया छत्तीसगढ़...

13 राज्यों के 262 लोग ठहरे हुए हैं रायपुर के आश्रय स्थल में

छत्तीसगढ़ में कोरोना संकट के इस दौर में कई खबरें ऐसी भी आ रही हैं, जो दिलों दिमाग को सुकून पहुंचाती हैं और इंसानियत और मानवता के जज्बे को पुख्ता करती हैं। राज्य सरकार ने लॉकडाउन के दौरान गरीब, निराश्रित व अप्रवासी लोगों के लिए अनेक शेल्टर होम विभिन्न जिलों में खोले हैं। उन्हीं में से एक शेल्टर होम रायपुर में भी चल रहा है, जिसे सरकार समर्थ चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से चला रही है। शेल्टर होम में इस संकट की घड़ी में 13 राज्यों के 262 लोग आश्रय पा रहे हैं और छत्तीसगढ़ शासन को धन्यवाद दे रहे हैं। ट्रस्ट के 25 वारियर मंजित कौर बल के नेतृत्व में 30 मार्च से लेकर आज तक इन निराश्रितों की जी जान से सेवा में जुटे हुए हैं। शेल्टर होम में रह रहे कुछ लोगों से हमने प्रत्यक्ष बात की तो उन लोगों ने बताया कि उन्हें प्रतिदिन दोनों समय चाय, खाना और एक समय नाश्ता उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए उनके मनोरंजन की व्यवस्था भी कराई गई है। सोने के लिए चटाई उपलब्ध कराई गई है। सारे लोगों के मेडिकल टेस्ट हुए हैं और स्क्रीनिंग दो बार हो चुकी है। माहौल इतना अच्छा कि कहीं कोई तनाव नहीं और सुविधाएं इतनी उम्दा कि यहां रुके कई व्यक्ति छत्तीसगढ़ से अब जाना ही नहीं चाहते। वे आशा करते हैं-काश ! छत्तीसगढ़ में ही उन्हीं कोई मिल जाता। ***पेश है शेल्टर होम में ठहरे कुछ ऐसे ही लोगों की कहानी..***

ढाबा मालिक ने नौकरी से निकाला, अब सुशीला रोज बना रहीं 20 मास्क

सुशीला तांडी नामक महिला जो बरगढ़ ओडिशा की निवासी है, उन्हें रायपुर के एक ढाबा संचालक ने रात को चार बजे काम से निकाल दिया और उन्हें कोई वेतन भी नहीं दिया। 24 मार्च को इस महिला का परिवार पैदल ही ओडिशा स्थित अपने घर जाने को निकल पड़ा लेकिन बसें बंद हो जाने के कारण यह घर वापस नहीं जा पाए, तब पुलिस ने इन्हें सेंटर होम में छोड़ा। तब से ये इसी शेल्टर होम में हैं। वहां रहते हुए इस महिला ने सिलाई सीखी और अब प्रतिदिन लगभग 20 मास्क बना रही हैं।

मोबाइल व पैसे हुए चोरी आश्रय स्थल ने भूखों मरने से बचाया : कमलेश

मध्य प्रदेश के मंडला के कमलेश छांटा नामक युवक को होटल हरि ढाबा ने काम से निकाल दिया। घर जाने के लिए स्टेशन पहुंचा तो ट्रेनें बंद थीं। रात को प्लेटफार्म पर कुछ असामाजिक तत्वों ने इनका मोबाइल व पैसे छीन लिए। दूसरे दिन सुबह इन्हें पुलिस ने शेल्टर होम पहुंचाया। बहुत आभार व्यक्त करते हैं कि मुझे भूखों मरने से बचा लिया। वहीं विजयपुर के सुरेश गौतम की कहानी भी लगभग ऐसी ही है। वे भी पैदल घर लौटते हुए पुलिस के द्वारा शेल्टर होम पहुंचाए गए। वे बहुत खुश होकर कहते हैं- घर जैसे लगता है यहां।

आवश्यक वस्तुओं एवं सब्जियों के दाम जानने सड़क पर उतरे सीएम

मुख्यमंत्री ने रावणभाटा स्थित अन्तर्राज्यीय बस स्टैंड के पास सब्जी विक्रेताओं एवं खरीददारों से बातचीत कर सब्जी के दाम एवं विक्रय की जानकारी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बूढा तालाब के पास इंडोर स्टेडियम में जरूरतमंद, बेसहारा और असहाय लोगों के लिए खाद्यान्न आपूर्ति के लिए कंट्रोल रूम और आपात कालीन फूड सप्लाई सेल का जायजा लिया। यह फूड सप्लाई सेल, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में स्वयं सेवी संस्थाओं और संगठनों की मदद से 24 घंटे कार्य कर रहा है और बना हुआ भोजन जरूरतमंद लोगो को वितरित कर रहा है। इस व्यवस्था में करीब 140 स्वयं सेवी संगठन और करीब 5 हजार वालेंटियर्स लगे हुए है। उन्होने इस कार्य की व्यापक सराहना की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने असहाय लोगों के लिए खाद्यान्न आपूर्ति को लेकर कंट्रोल रूम और आपातकालीन फूड सप्लाई सेल का जायजा लिया। ये सेल जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से 24 घंटे काम कर रहा है।

'स्पेशल फूड सेल' की स्थापना

अधिकारियो ने बताया कि भिखारियों, बेसहारा, जरूरतमंद, दिहाड़ी मजदूरों, मंदबुद्धियों और रोजी-रोटी के लिए बाहर नहीं जा पा रहे व्यक्तियों के लिए 'स्पेशल फूड सेल' की स्थापना की गई है। भोजन पहुंचाने बड़ा नेटवर्क तैयार कर शहर के हर छोर तक अपनी पहुंच बनाई गई है। सबसे बड़ी बात है की इस कार्य में स्वयंसेवी संस्थाएं, सेवाभावी संगठन और नागरिक भी सामने आकर मदद कर रहे है। नगर निगम के सभी 8 जोन मे नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं, जो ऐसे परिवारों को चिन्हित कर रही हैं जिन्हें राशन कार्ड ना होने या खाद्यान्न लेने में असुविधा हो रही है या ऐसे परिवारों जिनके पास राशन कार्ड उपलब्ध नहीं है अथवा किसी वजह से राशन प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, ऐसे परिवारों की सहायता के लिए वर्तमान में 15,000 अनाज के पैकेट तैयार कराएं जा रहे हैं, जिससे उनकी जरुरतें पूरी हो सकें।

गुजरात से गुमला के लिए निकला था, अब यहीं मिल जाए कोई काम : बंधन सिंह

झारखंड गुमला के गुजरात में ड्राइवरी कर रहे बंधन सिंह गुजरात के भरुच जिले से चलकर लगभग 800 किमी का सफर पैदल चलते हुए रायपुर पहुंचे। इनकी कहानी बड़ी दयनीय है। तरुण बाबू नामक ट्रांसपोर्टर के यहां काम करने वाला यह ड्राइवर 24 मार्च को काम से हटा दिया गया और इन्हें घर जाने के लिए बोल दिया गया। सूरत रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने इन्हें मारपीटकर भगा दिया और जिस रात ये मैदान में सोए थे तब इनके तीन हजार रुपए व सामान कोई उठा ले गया। ये बताते हैं कि सिर्फ चड्डी-बनियान में ये पैदल गुमला के लिए चल पड़े तब इन्हें सोनगढ़, गुजरात, में पुलिस ने पकड़ा और तीन दिन तक एक मंदिर में रखा। उनका वहां ब्लड टेस्ट किया गया। इसमें वे स्वस्थ साबित हुए। इसके बाद पुलिस ने इन्हें हाईवे पर छोड़ दिया। वहां से वे महाराष्ट्र के धुलिया होते हुए छत्तीसगढ़ के बॉर्डर देवरी तक पहुंच गए। देवरी बॉर्डर पर रोका गया, जहां से उन्हें अनुनय-विनय के बाद उन्हें जाने दिया गया। किसी तरह वे रायपुर पहुंचे और 11 दिन के इस लंबे सफर का अंत हुआ। 5 अप्रैल से वे शेल्टर होम में हैं। उनका कहना है कि अगर छत्तीसगढ़ में उन्हें काम मिल जाए तो वे न गुमला जाना चाहते हैं और न गुजरात।

नागपुर के ठेकेदार ने नहीं दी तनख्वाह, छत्तीसगढ़ सरकार का आभार : ईश्वर प्रसाद

नागपुर में अपने छह साथियों के साथ हफीज नामक ठेकेदार के यहां 15 हजार रुपए महीने की नौकरी करने वाले उत्तर प्रदेश के सोनभद्र के ईश्वर प्रसाद नामक सैनिटरी फिटिंग करने वाले व्यक्ति भी नागपुर से पैदल सोनभद्र के लिए चल पड़े और पांच दिन की यात्रा के बाद रायपुर पहुंचे तो पुलिस ने इन्हें यहां रोककर शेल्टर होम पहुंचा दिया। इनका कहना हैकि इन्हें न तनख्वाह मिली न कोई सहायता। भूख से बिलबिलाते ईश्वर प्रसाद व उनके छह साथी शेल्टर होम में शांति से रह रहे हैं। और शासन का आभार व्यक्त कर रहे हैं। लगभग सभी लोगों की एक समान कहानी है। जहां करुणा उमड़कर आती हैऔर यह जज्बा भी जगाती हैकि हमारा देश क्यों दुनिया में सामाजिकता के नाम पर सर्वश्रेष्ठ है।

मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए महिलाओं को किया सलाम

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण से लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए छत्तीसगढ़ की महिलाओं के ज़ज्बे को सलाम किया है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा है कि चाहे पोषण आहार पहुंचाने की बात हो या फिर कोरोना के सुरक्षा के उपाय लोगों को बताने का छत्तीसगढ़ की महिलाएं प्रेरक भूमिका निभा रही हैं।

फिजिकल डिस्टेंसिंग के लिए आदिवासी बहुल क्षेत्र की तारीफ की, कहा- हम शहरी लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों से सीखना चाहिए

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बस्तर के अंदरूनी ग्रामीण आदिवासी बहुल क्षेत्रों में लोगों द्वारा की जा रही फिजिकल डिस्टेंसिंग की तारीफ की है। उन्होंने अपने ट्वीटर एकाउंट में सोशल डिस्टेंसिंग की फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि पानी लेने और किराना की आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी के साथ जिस तरह सामाजिक दूरी के नियमों का पालन ग्रामीणों ने किया है, उससे हम शहरी लोगों को बहुत सीखने की जरूरत है।

राहत शिविरों में जरूरतमंदों को मिल रहा है घर-परिवार जैसा माहौल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में जिला प्रशासन सूरजपुर द्वारा जिले में 31 राहत शिविरों का संचालन किया जा रहा है। राहत शिविर में ठहरे संकट ग्रस्त श्रमिकों एवं अन्य लोगों को रहने, खाने और अच्छा स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से उन्हें घर-परिवार जैसा माहौल मिल रहा है। सूरजपुर जिले में अन्य राज्यों से आए ग्रामीणों को जिले में संचालित राहत शिविरों में विशेष निगरानी में रखा गया है और उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। सभी मजदूरों को अतिथि के रूप में जहॉं जिला प्रशासन द्वारा मेन्यू चार्ट अनुसार पौष्टिक भोजन के साथ दूध, फल सहित अन्य खाद्य सामग्री एवं आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जा रही है। शिविरों में रुके श्रमिकों व उनके परिवारों का स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा हैं।

गांव में कोई भी भूखा ना रहे: राज्य सरकार जनता के साथ है, पूरी मदद करेंगे

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लॉक डाउन के दौरान जनता की नब्ज जानने के लिए फोन पर सीधे समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से बातचीत की और उन्हें आ रही दिक्कतों के सम्बंध में जानकारी ली। सीएम ने अपने निवास से फोन के जरिये इनसे बातचीत की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों की हर संभव मदद के लिए पूरे प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में रहने वाले किसान, मजदूर, नर्स, ग्रामीण, सफाईकर्मी, सब्जी दुकानदार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और महिला सरपंच से बातचीत की।

राज्य में 1.85 लाख जरूरतमंदों को मिल रहा निःशुल्क भोजन

दो लाख एक हजार 298 लोगों को मदद एवं नि:शुल्क मास्क

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन पर राज्य भर में करीब एक लाख 85 हजार गरीबों, मजदूरों एवं निराश्रितों को निःशुल्क भोजन का प्रबंध जिलों में स्थानीय प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की सहयोग से किया जा रहा हैं। गौरतलब है कि कोरोन वायरस के संक्रमण से उत्पन्न लॉकडाउन की वजह से जरूरतमंद गरीबों, मजदूरों एवं निराश्रितों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट को देखते हुए शासन-प्रशासन द्वारा राज्य के सभी जिलों में निःशुल्क भोजन एवं राशन उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गई है। इस कार्य में स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाएं एवं दानदाता भी अपनी ओर से हरसंभव सहयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप राज्य के सभी जिलों में गरीबों, मजदूरों, निराश्रितों एवं जरूतमंद लोगों के भोजन एवं आवास का प्रबंध किया गया है। कैम्प में रह रहे लोगों के लिए जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के अलावा दूसरे राज्यों के भी श्रमिक शामिल हैं, उन्हें जिला प्रशासन द्वारा भोजन, चाय नाश्ता एवं चिकित्सा सुविधा निःशुल्क मुहैया करायी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज एक अप्रैल को राज्य के 28 जिलों में एक लाख 84 हजार 712 लोगों को निःशुल्क भोजन एवं राशन का वितरण किया गया।

संपादकीय

कोरोना योद्धाओं को सुरक्षा कवच

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लड़ने वाले कोरोना योद्धओं को सिर्फ भारत में ही जहिलों के हमलों का सामना करना पड़ रहा है। पूरे विश्व में कोरोना योद्धाओं का सम्मान हो रहा है लेकिन भारत में जाहिल लोग कोरोना योद्धाओं से न सिर्फ बदसलूकी कर रहे है बल्कि उनपर हमले भी कर रहे है। लोगों की जान बचाने वाले इन देवदूतों को कोरोना के साथ ही जाहिलों से भी लड़ना पड़ रहा है। देश में कई जगह डॉक्टरों, नर्सो और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों को हिंसक भीड़ का शिकार होना पड़ा है। इससे क्षुब्ध होकर डॉक्टरों ने अपना सांकेतिक विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की थी जिसपर सरकार ने गंभीरता पूर्वक विचार किया और त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया। नतीजतन देश भर के चिकित्सकों ने अपना सांकेतिक विरोध प्रदर्शन स्थगित कर दिया। केन्द्र सरकार ने इन कोरोना योद्धाओं को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए एक अध्यादेश लाकर 123 साल पुराने महामारी कानून में संशोधन कर दिया है। जिसके तहत अब डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मीचारियों से बदसलूकी करना और उन पर हमला करना गैर जमानतीय अपराध माना जाएगा। इसके तहत अधिकतम सात साल की सजा होगी और पांच लाख रूपए तक का जुर्माना भरना होगा। यही नहीं बल्कि चिकित्साकर्मियों के वाहनों आदि पर तोड़ फोड़ करने वाले अराज तत्वों से क्षति का दोगुना ज्यादा हर्जाना भी वसूला जाएगा। निश्चित रूप से केन्द्र सरकार ने देर से ही सही लेकिन दुरूस्त कदम उठाया है। कोरोना योद्धाओं को सुरक्षा देना निहायत जरूरी है ताकि वे पीड़ित मानवता की निर्भिक होकर सेवा कर सके। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस नए कानूनी प्रावधान के बाद जाहिलों और पत्थरबाज गैंग को सबक सिखाया जा सकेगा। अब जरूरत इस बात की है कि इस कड़े कानून का कड़ाई पूर्वक पालन सुनिश्चि किया जाए जो लोग भी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों के उपर हमले की हिमाकत करें उन्हे तत्काल गिरफ्तार कर जल्द से जल्द उन्हे उनके इस अक्षम्य अपराध की सजा दी जाए। इसके साथ ही सरकार को पुलिसकर्मचारियों को भी ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ीं कर्यवाही की खुली छूट दी जानी चाहिए। पुलिस कर्मचारी अपनी जान हथेली पर रख कर अपना दायित्व निभा रहे है और वे खुद भी कोरोना संक्रमण का शिकार हो रहे है। कोरोना संक्रमित कई पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई है और बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित पुलिस कर्मचारियों का अस्पतालों में उचपार हो रहा है। इसके बावजूद पुलिस कर्मचारी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रहे है। अतः यह आवश्यक है कि पुलिसकर्मचारियों को भी ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही के लिए फ्री हैण्ड किया जाए।

बहुराष्ट्रीय त्रासदी में खड़ा भारत

प्रभात झा

> विश्व में कोरोना की त्रासदी विकराल रूप ले चुकी है। कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या विश्व में बढ़कर 25 लाख से अधिक हो गई है, और इसने पौने दो लाख से अधिक लोगों की जान ले ली है। साथ ही, यह राहत भरी खबर है कि विश्वभर में अब तक कोरोना महामारी से 6.56 लाख लोग ठीक भी हुए हैं। विश्व में अमेरिका की स्थिति सबसे गंभीर है, जहां 8 लाख से अधिक लोग संक्रमित हैं, वहीं 45 हज़ार से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई है। इटली, फ्रांस, स्पेन और जर्मनी में भी मरने वाले लोगों की संख्या हजारों में है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। जहां तक भारत का प्रश्न है, सबकुछ नियंत्रण में है। कोरोना संक्रमितों की संख्या अब तक लगभग 20 हजार है जिसमें लगभग 4 हजार से अधिक लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 650 से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है और 15 हजार संक्रमितों का अस्पतालों मे उपचार चल रहा है।

लॉकडाउन का एक माह पूरा

बहुराष्ट्रीय त्रासदी कोरोना के कारण आज देश में लॉकडाउन का एक माह हो गया। सबकुछ ठप रहा पर भारत चलता रहा। इस एक माह के भीतर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सक्रियता से भारत का नेतृत्व किया और यह संदेश दिया कि उनमें विश्व का नेतृत्व करने की ताकत है। नेतृत्व की इस क्षमता के पीछे राष्ट्र के रूप में भारत की लोकतांत्रिक ताकत है।'भारत' संसदीय प्रणाली की सरकार वाला एक स्वतंत्र प्रभुसत्ता सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य है, और संविधान में सरकार के संसदीय स्वरूप की व्यवस्था है। संविधान के अनुच्छेद 74 (1) में यह प्रावधान किया गया है कि राष्ट्रपति की सहायता करने तथा उसे सलाह देने के लिए एक मंत्री परिषद होगी, जिसका प्रमुख प्रधानमंत्री होगा। वस्तुतः सरकार की कार्यकारी शक्ति मंत्री परिषद में निहित है, जिसका प्रमुख प्रधानमंत्री है।

13 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा ने भारत को एक स्वतंत्र संप्रभु तंत्र घोषित करने और उसके भावी शासन के लिए एक संविधान बनाने का संकल्प प्रकट करते हुए कहा कि ÷संप्रभु स्वतंत्र भारत तथा उसके अंगभूत प्रदेशों और शासन के सभी अंगों की सारी शक्ति और सत्ता जनता द्वारा प्राप्त होगी, जिसमें भारत के सभी लोगों को राजकीय नियमों और साधारण सदाचार के अधीन सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक न्याय के अधिकार, वैयक्तिक स्थिति व अवसर की तथा कानून के समक्ष समानता के अधिकार और विचारों की, विचारों को प्रकट करने की, विश्वास व धर्म की, ईश्वरोपासना की, काम-धन्धे की, संघ बनाने व काम करने की स्वतंत्रता के अधिकार रहेंगे और माने जाएंगे। कुछ अपवादों को अगर छोड़ दें, भारत का यह सौभाग्य रहा है कि यहां संविधान के दायरे में सरकार की शक्ति और जनता के अधिकार में अद्भुत संतुलन रहा है, जो वैश्विक जगत को भी अचम्भित करता है। भारतीय गणतंत्र की सफलता के मूल में जनता द्वारा अधिकार की आराधना से अधिक कर्तव्य की साधना रही है। यह भारत की सनातन प्रकृति रही है, संस्कृति रही है, जो चुनौतियों की विकृति को कभी लम्बे समय तक हावी नहीं होने दिया।

लॉकडाउन एक आपातकालीन प्रोटोकॉल है, जो सरकार द्वारा संकट व आपात की स्थिति में नागरिकों के आवागमन को प्रतिबंधित करता है। आधुनिक विश्व इतिहास में लॉकडाउन जैसी स्थिति पहले विश्वयुद्ध में बनी, जो 28 जुलाई 1914 से आरम्भ होकर 28 जून 1919 को वर्साय की सन्धि के साथ समाप्त हुआ। ब्रिटिश उपनिवेश होने के कारण भारत भी इसमें अप्रत्यक्ष रूप से शामिल होने के लिए बाध्य था। पहले विश्वयुद्ध में विश्व के कई देशों ने लाखों की संख्या में जनबल को खोया। भारत भी उसमें शामिल था। किंतु भारत पर इसके प्रभाव कई मायनों में सकारात्मक भी कहे जा सकते हैं, क्योंकि भारतीय सैनिकों के इस युद्ध में शामिल होने की शर्तों को ब्रिटिश सरकार द्वारा पूरा न किये जाने से भारतीयों का उसके प्रति मोहभंग हो गया और बढ़ते

असंतोष ने राष्ट्रवाद को बढ़ाया, अंततः स्वतंत्रता की चेतना प्रस्फुटित हुई। द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत 1 सितंबर 1939 को हुई और वह युद्ध 2 सितंबर 1945 तक चला। इस दौरान 6 साल तक विश्व में लॉकडाउन जैसी स्थिति रही। एक अनुमान है कि विश्व में 5-7 करोड़ लोगों की जानें गईं, जिसमें सैनिकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में नागरिक भी काल के गाल में समा गए। द्वितीय विश्वयुद्ध ने ब्रिटिश सरकार से भारत की स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया। तत्कालीन गवर्नर जनरल ने घोषणा करते हुए कहा कि ÷युद्ध के बाद ऐसी समिति नियुक्त की जायेगी जो पूर्णतया राष्ट्रीय होगी और वह भारत के भावी संविधान की रूपरेखा तैयार करेगी। स्वतंत्र भारत में लॉकडाउन की स्थिति 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान बनी थी। हमने देखा था स्कूल, कॉलेज, सरकारी कार्यालयों में काम जरूर होते थे, लेकिन सरकारी निर्देशों के साथ नियंत्रण में। रात्रि को रोशनी जलाना प्रतिबंधित था। कर्फ्यू जैसे हालात रहते थे। डर और दहशत का माहौल रहता था। इन दोनों युद्धों में क्रमशः लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत की विजय हुई। राष्ट्रीय संस्कृति के प्रति उदासीनता समाप्त हुई और राष्ट्रीयता का नवजागरण हुआ। सुप्त राष्ट्रीयता ने जागृत राष्ट्रीयता का रूप लिया। नव राष्ट्रवाद का जागरण हुआ। नव राष्ट्रवाद की इस धारा को उस समय और शक्ति मिली जब 1999 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में कारगिल युद्ध में विजय मिली।

आज पूरा विश्व अदृश्य शत्रु कोरोना वायरस से युद्ध कर रहा है। भारत भी इस युद्ध को मजबूती से लड़ रहा है। लेकिन कोरोना के विरुद्ध इस युद्ध के कारण आज जो लॉकडाउन की स्थिति है, राष्ट्र के रूप में भारत और भारतीय नागरिकों ने इसे चुनौती से अधिक अवसर के रूप में लिया है। चुनौती है। गंभीर चुनौती है। लेकिन नागरिक बोध, आत्मविश्वास और जागृति के एक नए युग की शुरुआत भी हुई है। नागरिकों का आत्मविश्ववास बढ़ा है और आत्मसम्मान जगा है। बहुराष्ट्रीय त्रासदी के दौरान नागरिक कर्तव्य क्या हो, यह परिभाषित हुआ है। जनता और सरकार के बीच परस्पर विश्वास, अधिकार और कर्तव्यबोध परिभाषित हुआ है। सरकार क्या है? सरकार कैसी हो? किसके लिए हो? दायित्व क्या हो? सरकार की आवश्यकता क्यों? इन प्रश्नों को सार्थक उत्तर मिला है। 'कोउ नृप होय हमें का हानी', इस दायत्वहीन जन बोध का ज्ञानशोधन हुआ है। किताब का ज्ञान तो ज्ञान मात्रा है, राष्ट्र की घटना से मिलने वाला ज्ञान गंगा की तरह अविरल प्रवाहमान रहता है।

आज लॉकडाउन के इस दौर में लोगों ने घर में रहकर राष्ट्र की आराधना की है। सामूहिकता, पड़ोसी भाव, रिस रहे रिश्ते की मजबूती, अपनत्व, आत्मीयता, उदारता, सेवा-भाव को उचित स्थान मिला है। 'कोई भूखा नहीं रहेगा' का भाव जगा है। 'साईं इतना दीजिये, जा मे कुटुम समाय, मैं भी भूखा न रहूं साधु ना भूखा जाय' का भाव जगा है। सरकार के आग्रह और नागरिकों के कर्तव्य से संकट की इस घड़ी में नागरिकबोध का जागरण हो रहा है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक आज एक ही जनभावना है 'मैं भी जीऊं,और सब जियें'। जनश्रद्धा और जनआस्था जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक भारतीय मूलतत्व ने अपना पुनः स्थान प्राप्त किया है। सहिष्णुता, सहानुभूति, संवेदनशीलता और सद्भाव का ऐसा अद्भुत दृश्य भारतीय समाज ने पूर्व में शायद ही देखा हो।

विचार

कोरोनाः कुछ सख्तियां जरुरी

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कोरोना-संकट के दौरान आरोग्यकर्मियों के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार के खिलाफसरकार ने जो अध्यादेश जारी किया है, वह बहुत ही सामयिक है। कोरोना के युद्ध में भारत ने सारी दुनिया में अपनी मिसाल कायम की है लेकिन कुछ शहरों और गांवों में डाक्टरों, नर्सो और पुलिसवालों के साथ जो लोग मार-पीट, पत्थरबाजी और गाली-गलौज कर रहे हैं, उन्हें रोकना बहुत जरुरी है। उनकी सर्वत्र निंदा हो रही है, टीवी चैनल और अखबार उनकी बदतमीजियों को काफी दिखा रहे हैं लेकिन इसके बावजूद अप्रिय घटनाएं लगभग रोज हो रही हैं। अब तो लोग पुलिसवालों पर हमला करने पर भी उतारु हो गए हैं। कई शहरों से आज इसी तरह की खबरें आ रही हैं। लोग पाबंदियां तोड़ रहे हैं और पुलिस उन्हें रोकती है तो उन पर पथराव होता है। महाराष्ट्र के पालघर में दो साधुओं और एक ड्राइवर की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई और पुलिसवाले देखते रह गए। उन्होंने हिम्मत करके अपराधियों को रोका क्यों नहीं ? शायद उन्हें अपनी जान जाने का डर लग रहा हो। इसीलिए मैं कहता हूं कि डाक्टरों और नर्सो के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के लिए भी अध्यादेश में समुचित प्रावधान किए जाने चाहिए। उनके साथ-साथ पत्रकारों (रिपोर्टरों) को भी जोड़ा जाना चाहिए, क्योंकि वे भी दुर्गम से दुर्गम जगह पर पहुंच जाते हैं, अपनी जान हथेली पर रखकर! यदि आज हमारे पत्रकार भी नेताओं की तरह अपने घरों में छिपकर बैठ जाएं तो देश की जनता दिग्भ्रमित हो जाएगी। यदि अखबार और टीवी बंद हो जाएं तो सारा देश गलतफहमियों और अफवाहों का शिकार हो जाएगा। देश की सरकारें जनता के भले के लिए जो संदेश फैला रही है, वे उस तक कैसे पहुंचेंगे। यह कितने दुर्भाग्य की बात है कि अब भी दर्जनों देशी और विदेशी लोग कोरोना को छिपाते हुए पकड़े गए हैं। यह ठीक है कि तबलीगी जमात ने जान-बूझकर किसी साजिश की तरह कोरोना को नहीं फैलाया है लेकिन बदनामी और डर के कारण वे लोग अभी भी सामने नहीं आ रहे हैं। मैं उनसे कहता हूं कि वे डरे नहीं। सामने आएं। अपना और अपने संपर्कियों का इलाज करवाएं। इंसानियत का परिचय दें। कोरोना को फैलने से रोकें। जो प्रवासी मजदूर, छात्रगण और यात्री लोग अधर में लटके हुए हैं, उन्हें यथास्थान भिजवाने के लिए सारी राज्य-सरकारें समुचित प्रावधान करें। यदि हम सब लोग मिलकर लड़ेंगे तो कोरोना के बाद का भारत एक शक्तिशाली और संपन्न भारत बनकर उभरेगा।

लापरवाही से बढ़ रहा कोरोना का कहर

राजेश माहेश्वरी

> दिल्ली में तो केंद्र सरकार, सभी दूतावास, सर्वोच्च न्यायालय और पं सब कुछ उपलब्ध है, लेकिन लॉकडाउन के बावजूद संक्रमण गतिमय होकर फैल रहा है, तो खतरा मौजूद है कि देश कोरोना विस्तार के तीसरे चरण में प्रवेश कर सकता है। वह स्थिति अमरीका, इटली, स्पेन सरीखे देशों वाली होगी, जब सड़कों पर लाशें ही नजर आएंगी। बेशक लॉकडाउन के जरिए उस स्थिति पर हमने नियंत्रण पाया है, ऐसा विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी आकलन है, लेकिन लॉकडाउन की संपूर्ण सार्थकता सामने क्यों नहीं आ पा रही है? देश पर कोई भी आपदा या संकट आए तो देशवासियों का फर्ज बनता है कि वे एकजुट होकर मुकाबला करें और सरकार के इसके लिए किए जा रहे प्रयासों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। लॉकडाउन का दूसरा चरण तभी कामयाब होगा जब आम लोग इसके प्रति गंभीर होंगे।

देश में कोरोना का कहर बढ़ता ही जा रहा है। इसके पीछे की वजह है लोगों की लापरवाही है। अभी भी लोग लॉक डाउन की गंभीरता को समझ नहीं रहे हैं। थोड़ी सी छूट मिलते ही लॉक डाउन के नियम तोड़ने में कोई गुरेज नहीं करता। जो क्षेत्र कोरोना के प्रभाव से मुक्त हैं या जहां नये केस सामने नहीं आए हैं, वहां सरकार ने कुछ शर्तों के साथ ढील दी है, लेकिन देखने में आ रहा है कि लोग नियम तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। माना कि किसी को भी घर में कैद रहने की आदत नहीं है, लेकिन कम से कम अपनी जान के बारे में तो सोचना ही चाहिए। जान है तो जहान है। मीडिया के मार्फत तमाम ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि लॉक डाउन को तोड़ने की कोशिशें जारी हैं।

लॉकडाउन की वजह से लोग घर से बाहर निकल नहीं सकते और न ही बाहर के खाने का स्वाद चख सकते हैं। मगर बाहर के खाने को तो घर में मंगवा ही सकते हैं। दिल्ली के 72 परिवारों ने जीभ का स्वाद बदलने के लिए पिज्जा मंगवा लिया, जो डिलिवरीमैन इसकी डिलीवरी करने के लिए आया था वह कोरोना पॉजिटिव था, काफी दिन से उसकी तबीयत खराब थी, जब उसने जांच करवाई तो उसे पता चला कि वह कोरोना से संक्रमित है। वहीं दूसरी ओर जांच में सामने आया है कि उसने 72 परिवारों को उनके घर जाकर सामान पहुंचाया है। घर बैठे-बैठे इन लोगों की एक छोटी सी गलती आज एक बड़ी मुसीबत बन गई और साथ ही यह सवाल भी उठ रहा है कि जब उस डिलीवरी करने वाले शख्स की तबीयत इतनी ही खराब थी तो वह आराम करने के बजाय क्यों काम पर जाता था। असल में लोग लॉक डाउन की गंभीरता और औचित्य को नहीं समझ रहे हैं। हम पहली बार ही 40 लंबे दिनों का लॉकडाउन देख और झेल रहे हैं। यहां तक कि भारत ने जितने भी युद्ध लड़े, उनके दौरान भी लॉकडाउन घोषित नहीं किए गए। लॉकडाउन के बावजूद दिल्ली के ही तुगलकाबाद एक्सटेंशन इलाके में एक संक्रमित व्यक्ति ने 39 अन्य लोगों को संक्रमित कर दिया। लॉकडाउन के बावजूद कुछ संक्रमित लोग सामाजिक और सार्वजनिक रूप से भोजन बांटते रहे हैं। उन्होंने न जाने कितनों को संक्रमित कर दिया होगा? समझने वाली बात ये है कि केंद्र और राज्यों की सरकारों के साथ ही स्थानीय स्तर पर प्रशासन द्वारा लगाई गईं बंदिशे नागरिकों की सुरक्षा के लिए ही हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि लॉक डाउन के दौरान जनता को अकल्पनीय परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन देखने वाली बात ये भी है कि प्रशासन और पुलिस को इसे लागू करवाने में जो मशक्कत करनी पड़ रही है उसके बारे में सोचने पर हमें अपनी दिक्कतें कम लगने लगेंगी।

आंकड़े हर पल, हर दिन बढ़ते जा रहे हैं। इस दलील को एक हद तक ही स्वीकार किया जा सकता है कि चार लाख से ज्यादा टेस्ट किए जा चुके हैं। हर रोज औसतन 28-30 हजार टेस्ट किए जा रहे हैं। अमरीका, साउथ कोरिया, सिंगापुर, ताइवान, स्पेन और जर्मनी आदि देशों की तुलना में हमारे टेस्ट बेहद कम हैं। हम अब 10 लाख की आबादी पर औसतन 291 टेस्ट कर रहे हैं, जबकि अन्य देशों का औसत तो हजारों में है। कल्पना करें कि लॉकडाउन के बीच ही संक्रमितों की संख्या 17,000 को पार कर चुकी है, लेकिन जब हमारे टेस्ट एक करोड़ तक पहुंचेंगे, तो कोरोना से कितनी आबादी बीमार होगी और कितनी मौतें हो चुकी होंगी। दरअसल लॉकडाउन के मायने शहरों की कुछ संपन्न, पढ़ी-लिखी और मजबूरन अनुशासित आबादी तक ही सीमित हैं।

सरकार ने स्वयं ही स्थिति का आकलन करते हुए सैकड़ों जिलों में जनजीवन को सामान्य बनाने के उद्देश्य से लॉक डाउन में छूट प्रदान की है। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाये रखने के साथ ही उनका उत्पादन करने की अनुमति भी प्रदान की गयी है। कृषि कार्य के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे उद्योगों को भी पूरी तरह काम करने का अवसर दिया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में कोरोना का प्रभाव कम है वहां चुनिन्दा दफ्तरों को आधे स्टाफके साथ शुरू करने कह दिया गया है। सरकारी विभागों में भी काम सामान्य करने के प्रयास शुरू हो रहे हैं। किराना और दवाई की दुकानों के अलावा अस्पतालों की सेवाएं पूर्ववत किये जाने की व्यवस्था हो रही है। कोरोना के संक्रमण से ज्यादा प्रभावित जिलों को खतरनाक मानकर वहां किसी भी तरह की ढील नहीं दी जा रही। जिन कार्यालयों या सेवाओं को काम करने की छूट दी गई है उनके अलावा अन्य सभी सेवाओं में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के निर्देश हैं। राजमार्गों पर ट्रक परिवहन शुरू होने के कारण ढाबे, पंचर सुधारने वाले तथा मैकेनिकों को भी फिर से काम शुरू करने कहा गया है। केंद्र सरकार ने पिछली गलतियों से सीख लेते हुए किसी भी तरह का यात्री परिवहन प्रारंभ करने का मन नहीं बनाया और टिकिटों के अग्रिम आरक्षण के लिए भी मना कर दिया है। समाज के गरीब वर्ग को इस दौरान जो मुसीबतें उठानी पड़ीं उनकी वजह से अनेक बार लगा कि सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा मकसद ही बर्बाद हो गया। घनी बस्तियों में उसका पालन यूं भी बेहद कठिन है। बावजूद इसके यदि हालात काबू में रहे तो ये देश का सौभाग्य ही कहा जा सकता है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

प्रकृति की असीम संपदा

प्रकृति की असीम संपदा इस विपदा में सहारा है विकास अब बेसहारा है गाड़ी है पर चला नहीं सकते जिंदगी की बसर? को सीमित संसाधन चाहिए ? खाने तो अनाज ही चाहिए पृथ्वी की मेहरबानी है फल फूल सब्जीयों से बची आज जिंदगानी बाकी सब बेमानी है।

– अरविना गहलोत

ये जो बातें खड़े खड़े

ये जो बातें खड़े खड़े बात करती हैं खड़ी ही रह जाती हैं इतिहास बन जाती हैं एक दिन.. मुझे शिकायत है इनसे माथे पे बल बनेंगी ये एक दिन.. अगर ये बातें चलती रहें चलती ही रहें तो सुलझ जायेंगी इक दिन इतिहास तब भी बनेंगी पर तब, तब ये मुस्करायेंगी इक दिन।

आभा चन्द्रा..

ख़ास पाती | आ बैठ सुन मेरी ख़लवतों में

आ! बैठ! सुन !मेरी ख़लवतों में बस तेरा चर्चा रहता है, दीवारों से मुंहमारी करूं, तब भी तेरा तजकरा रहता है, मैं मुतमईन हूँ, मैंने कभी चेहरे से नहीं रिझाया उनको, मैं खुल कर सामने नहीं आया उसे ये शिकवा रहता है, वो कहते हैं उन्हें भी मुहब्बत नसीब नहीं हुई अब तक, मैं सोचूँ हूँ, मेरी कलम को फिर किसका नशा रहता है, तू हँसी है दिलकश है माना, मगर कम हम भी नहीं हैं, आजकल घर पर हूँ सामने हर वक़्त आईना रहता है, कमाल की ठण्डक है यारों उन निगाहों की बारिशों में, जिस पर भी एक- बार बरसी वो उम्र भर हरा रहता है। – **अनिल अनमोल शर्मा**

प्रेम में सब संभव है उसने मेरे

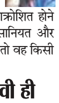

प्रेम में सब संभव है उसने मेरे सर पर से भरी दुपहरी में धूप उतार दी और कहा शाम हो गई हमने पलक मुंदे मान लिया चांद को फलक पर से उतारकर उसने जेंब में रख लिया और कहा सुबह हो गई हमने अपनी पलकों को उनकी आंखों के दहलीज पर रखा और भोंर का स्वागत किया और कुछ इस तरह से एक दिन समंदर नदी को मिलने चला और फूल अपने बीज को ढूंढने कोयल भी जोड़ने लगी घोंसला कर देता है प्रेम अंसभव को संभव।

– **सरिता शैल**

आईने सी सूरत पाई है मैंने

आईने सी सूरत पाई है मैंने जितना भी छिपाऊँ दर्द हँसी में ये आँखें सब बेपर्दा कर देती है बेशक कैद किए अश्क नैनों में उठती है पलके जब आँखों से अश्कों को रिहा कर देती है।। तेरे बिन तेरे संग। – **मीना सोनी**

हिम्मत के साथ दरिया हमें

हिम्मत के साथ दरिया हमें पार करना है , तूफ़ानों के रगों पे हमें वार करना है । हर जंग हौसलों की दुआ मांगती सनम , डर के सुरंग पर हमें अधिकार करना है । अपनी ज़मीं की रक्षा हमारे ही जिम्मे है , आया समय तो अर्श से यलगार करना है । पैसे कमाने आया हूं परदेश, क्यूंकि कल, इस धन से अपने गांव का श्रृंगार करना है । दानी तो उनके प्यार में पागल सा हो चुका , अब उनको प्यार के लिये तैयार करना है । – **डाः संजय दानी**

इंसानियत का धर्म किसी भी धर्म को

इंसानियत का धर्म किसी भी धर्म को भीड़ बनकर किसी की हत्या करने का अधिकार नहीं देता है। चाहे आक्रोशित होने और घृणा करने का कोई भी कारण हो। तजब इंसान इंसानियत और नैतिकता से परे हटकर किसी घटना का मूल्यांकन करता है तो वह किसी ना किसी का भक्त ही होता है। – **अनामिका चक्रवर्ती**

पूरे सौरमंडल में केवल पृथ्वी ही

पूरे सौरमंडल में केवल पृथ्वी ही ऐसा ग्रह है जहाँ जीवन संभव है। यह हमारा दायित्व है कि जल, वायुमण्डल, उर्वरक धरती व वन-वनस्पतियों से सुसज्जित इस पृथ्वी को सहेज कर हम आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ व सुंदर पृथ्वी सौंपें। आइये इस पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण की ओर कदम बढ़ाएं। – **सुनील शुक्ला**

बदली आके थार में ,गाए बरखा गीत

बदली आके थार में ,गाए बरखा गीत ! महके जलती थार में, सोंधी सोंधीं प्रीत !! इक दीवानी सी नदी, जो सागर को जाय ! परवत का अभिमान भी,उसको रोक न पाय!! – **अजय कुमार सिंह भदौरिया**

QUIZ TIME

1) भारत का आयात-निर्यात बैंक निम्न में से कौन-सा है?
(क) एक्जिम बैंक (ख) रिजर्व बैंक
(ग) एशिया बैंक (घ) स्टेट बैंक

2) टेसला यूनिट किस क्षेत्र से संबंधित है?

3) समताप मण्डल की ओजोन गैस की परत की मोटाई किस इकाई में मापी जाती है? (डॉबसन इकाई / मेल्सन इकाई)

4) अर्थशास्त्र में 'ग्रेशम नियम' का संबंध किससे है?

5) तोता-ए-हिन्द के नाम से किसे जाना जाता है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) एक्जिम बैंक (2) चुम्बकीय क्षेत्र (3) डॉबसन इकाई (4) मुद्रा के संचलन (5) अमीर खुसरो

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1815 - हिमाचल प्रदेश में गोरखा रेजीमेंट की नींव रखी गई थी। 1858 - स्वतंत्रता सेनानी कुंवर सिंह का निधन। 1877 - रूस ने ओटोमन साम्राज्य के खिलाफलड़ाई की घोषणा की। 1898 - स्पेन ने अमेरिका के खिलाफयुद्ध की घोषणा की। 1920 - पोलैंड की सेना ने यूक्रेन पर हमला किया। 1926 - बर्लिन की संधि पर हस्ताक्षर किये गये। 1954 - ऑस्ट्रेलिया और सोवियत संघ ने राजनयिक संबंध समाप्त किये। 1960 - दक्षिण फारस में आये भयंकर भूकंप से 500 लोगों की मौत। 1972 - जाने-माने चित्रकार जैमिनी राय का निधन। 1973 - भारत रत्न से अलंकृत मास्टर ब्लास्टर सचिन रमेश तेंदुलकर का मुंबई में जन्म हुआ। 1974 - प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर का निधन।

बैंको में लगी भीड़, वालेंटियर कर रहे ड्यूटी

गंडई पंडरिया। नगर के कोरोना योद्धा (वालंटियर) में काफी सक्रियता देखने को मिल रही है। मालूम हो कि गंडई नगर में प्रशासन का सहयोग करने कोरोना योद्धा (वालंटियर) के रूप में बैंक, सड़क और ग्रामीण इलाकों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करने सबको प्रेरित कर रहे हैं। अब जबकि लॉक डाउन की अवधि आगामी 3 मई तक बढ़ा दी गई है। जैसे ही इस बात की घोषणा हुई वैसे ही बैंकों में और अधिक लाइन लगनी शुरू हो गई है और इधर पैसों की जरूरत लोगों को महसूस होना शुरू हो गई है

बड़ी संख्या में पहुंच रहे ग्रामीण

ग्रामीण बड़ी संख्या में पैसे निकालने के लिए बैंक पहुंच रहे हैं नगर में 5 से भी ज्यादा बैंक हैं सभी बैंकों में भारी भीड़ दिखाई देती है। खास बात यह है कि हर कार्य के लिए पुलिस का लोग इंतजार करते रहते हैं जबकि बैंकों में आने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैंक प्रबंधन को ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करवाना चाहिए।

कई बैंको मे दिखे भीड़

धारा 144 लागू होने के बावजूद और पूरे प्रदेश और देश में लॉक डाउन चलने के बाद भी बैंकों में इन दिनों भारी भीड़ जमा हो रही है। यहां पर बिल्कुल भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया जा रहा है। बैंक प्रबंधन की ओर से भी इस बात का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। अब जबकि लॉक डाउन की अवधि आगामी 3 मई तक बढ़ा दी गई है। जैसे ही इस बात की घोषणा हुई वैसे ही बैंकों में और अधिक लाइन लगनी शुरू हो गई है और इधर पैसों की जरूरत लोगों को महसूस होना शुरू हो गई है। जो भी लोग बैंक में अपने कार्यों के लिए आ रहे हैं, उनसे सोशल डिस्टेंसिंग कराया जाना चाहिये परन्तु ऐसा नही हो रहा है।

शहर में पेयजल की समस्या से निपटने 50 लाख की कार्ययोजना

महासमुंद। गर्मी के दिनों में शहर में पेयजल की समस्या से निपटने के लिए पचास लाख रूपए की कार्ययोजना बनी है। इसके लिए विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कलेक्टर को पत्र लिखकर पचास लाख रूपए की राशि नगरपालिका के लिए स्वीकृत करने की मांग की है। विधायक श्री चंद्राकर ने बताया कि गर्मी की दस्तक के साथ ही नगर में पेयजल की समस्या से निपटने के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। वर्तमान व आने वाले समय में भीषण गर्मी की संभावना बनी हुई है। ऐसे में पेयजल की समस्या की बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। महासमुंद शहर के तीस वार्डों की आबादी 86 हजार के आसपास है। गर्मी के दिनों में शहर में पेयजल की किल्लत बनी रहती है। हालांकि नगरपालिका के पानी टंकी व टैंकरों के माध्यम से लोगों तक पानी पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने बताया कि पेयजल की समस्या के लिए कार्ययोजना बनाई गई है। इसके तहत नगरपालिका को करीब पचास लाख रूपए की आवश्यकता पड़ेगी। लिहाजा शहर में पेयजल की समस्या से निपटने नगरपालिका के लिए पचास लाख रुपए स्वीकृत की जाए। ताकि गर्मी के मौसम में लोगों को राहत प्रदान की जा सके।

जनपद पंचायत के उपअभियंता निलंबित

महासमुंद। कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्देशों ग्राम पंचायत स्तर पर क्रियान्वयन कराए जाने के लिए ग्राम पंचायत बावनकेरा, चिरको, छिंदौली, सिंधौरी एवं पचरी क्षेत्र के लिए जनपद पंचायत महासमुंद के उप अभियंता आरके गुप्ता की ड्यूटी नोडल अधिकारी के रूप में लगाई गई थी। शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी प्रकार के सामाजिक, धार्मिक आयोजन प्रतिबंधित किया गया हैं। विगत 17 अप्रैल 2020 को ग्राम पंचायत चिरको के आश्रित ग्राम दर्रीपाली में दशगात्र कार्यक्रम में 22 लोग एकत्रित होकर भोजन किए और फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुनील कुमार जैन ने उप अभियंता आरके गुप्ता द्वारा अपने प्रभार के पंचायत में हो रहे घटना की जानकारी नहीं देने एवं शासन के निर्देशों के अवहेलना एवं घटना की जानकारी उच्च अधिकारी को नहीं देने एवं अपने कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता बरती गई। यह कृत्य सिविल सेवा (आचरण) नियम 3 एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के विपरीत होने से छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) 1966 के नियम 9 (2) (क) में दिए गए प्रावधानों के अनुसार उन्हें निलंबित किया गया हैं।

प्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्र के 171 गांवों से चार हजार बाड़ी किसानों का चयन

महासमुंद। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा एवं बाड़ी योजना अंतर्गत डीएमएफ मद से बाड़ी विकास के लिए जिले के चार हजार बाड़ी किसानों को उद्यानिकी की योजनाओं से लाभान्वित किए जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक हजार बाड़ी के मान से कुल चार हजार बाड़ी किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है।

समुचित इलाज कोरोना वायरस से संक्रमित मरीज को सुनिश्चित करने हुआ मॉकड्रिल

धमतरी। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने फ्लैग मार्च कर क्षेत्र का लिया जायजा जिले में किसी भी व्यक्ति के नोवल कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने की स्थिति में उसका समुचित इलाज सुनिश्चित करने आज जिला प्रशासन द्वारा प्रातः 08 बजे से शाम 05 बजे तक मॉकड्रील किया गया। कलेक्टर रानू साहू और पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह मीणा के मार्गदर्शन में मॉकड्रील के लिए नगर पालिका परिषद बालोद के वार्ड क्रमांक-11 को चिन्हित कर वहॉ पर कोरोना वायरस से संक्रमित मरीज की उपस्थिति मानते हुए उसे उसके घर से सुरक्षित अस्पताल पहुँचाने और उसकी समुचित इलाज की सम्पूर्ण प्रक्रियाओं का मॉकड्रील किया गया। मॉकड्रील के दौरान बेरिकेटिंग कर संबंधित वार्ड को सील किया गया। एक आने का रास्ता और एक बाहर जाने का रास्ता बनाया गया।

महिलाओं के हाथों में है हंसिया, फावड़ा और कुदाली

■ मुट्ठी में है उन्नति की तकदीर

■ ग्राम पीपरखार में शासन की बाड़ी योजना बनी मददगार

राजनांदगांव। परीं में कभी भिण्डी, लौकी, कद्दू, बरबटी, टमाटर एवं अन्य सब्जियां एकत्रित करती महिलाएं गांव में तरक्की और खुशहाली ला रही हैं वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। राजनांदगांव जिले के अंबागढ़ चौकी विकासखंड स्थित ग्राम पीपरखार की महिलाओं ने शासन की बाड़ी योजना के तहत एकता और संगठन से सामूहिक सुघ्घर बाड़ी में सब्जी उत्पादन के नवाचार को अपनाकर जय मां सरस्वती एवं मां शीतला समूह की 10 महिलाओं ने एक बानगी पेश की है। सामूहिक प्रयास जब दिल से किया जाए तो उसके सुखद और सार्थक परिणाम सामने आते हैं। इन महिलाओं के हाथ में है हसियां, फावड़ा और कुदाली, वहीं इनके मुठियों में है उन्नति की तकदीर।

कोरोना वायरस के बचाव के लिए महिलाएं सावधानी एवं जतन कर रही हैं। बुजुर्ग श्रीमती कैलाशवती ने कहा कि घर के कार्यों को पूरा करने के बाद हम सभी महिलाएं मिलजुलकर यहां परिश्रम कर कार्य करती है। पौधों को समय पर वर्मी कम्पोस्ट देने के साथ बंदरों से भी देखरेख करनी पड़ती है। गौठान से ही सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो जाता है। हरे-भरे लहलहाते इस बाड़ी में गंवारफल्ली, खट्टाभाजी एवं करमता भाजी भी लगा रहे हैं।

मुख्यमंत्री बघेल की पहल पर मनरेगा कार्य प्रारंभ

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लॉकडाउन में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए मनरेगा के कार्य को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए हैं। कोरोना महामारी के चलते महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार ग्रामीण योजना जिले में ग्रामीणों के आय का महत्वपूर्ण साधन बना हुआ है। इसके माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। जिससे उनके जीवनयापन करने में होने वाली कठिनाईयां दूर हो गई है।

फ्लैगशिप योजनाओं की होगी ऑनलाईन मॉनिटरिंग

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल निकट भविष्य में राज्य की फ्लैगशिप योजनाओं की मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री कार्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाईन करेंगे। मुख्यमंत्री ने इन योजनाओं की मॉनिटरिंग में सुविधा की दृष्टि से यह निर्णय लिया है कि इनकी मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री कार्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाईन की जाए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कोटा ही क्यों...

नवोदय विद्यालयों के छात्र भी दूसरे राज्यों में फंसे हैं। हालांकि इन छात्रों को हफ्तेभर बाद कुछ राहत मिल सकती है। नवोदय विद्यालय सूत्रों के मुताबिक इन छात्रों की वापसी के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जा सकती है। इसके लिए रूट डिसाइड हो रहा है।

जांजगीर चांपा विद्यालय ने ओडिशा के गंजम से बच्चे कर लिए एक्सचेंज

जांजगीर चांपा नवोदय विद्यालय में ओडिशा के गंजम नवोदय विद्यालय के बच्चे आए हुए थे और यहां के बच्चे गंजम में थे। लेकिन लॉकडाउन की सूचना मिलते ही जांजगीर चांपा विद्यालय प्रशासन ने अनुमति जिला प्रशासन से अनुमति लेकर व गंजम नवोदय विद्यालय से संपर्क साध बच्चों को एक्सचेंज कर लिया। इसके लिए गंजम से एक बस आधे दूर पहुंची व जांजगीर के बच्चों को लेकर बस आधे दूर पहुंची।

श्री पटेल, शिक्षक, नवोदय विद्यालय जांजगीर चांपा

बेऔलादा बुजुर्ग की...

सुरेश कुमार जोशी की आज मृत्यु हो गई। उनका कोई संतान नहीं है,पत्नी भी अच्छी उम्र की हो चुकी है। कोरोना के चलते आसपास के लोगो को जानकारी हुई भी तो दूरी बना रखे थे। ऐसे में मोहल्ले के एक आरक्षक को इसकी जानकारी हुई तो उसने अपने थानेदार रवि तिवारी को पूरी बात बताई। उन्होने तत्काल बढ़ते कदम से संपर्क कर शव वाहन मंगवाया और कुछ पुलिस वालों को अंतिम संस्कार की तैयारी करवाने भेजा। मृतक जोशी का शव लेकर वे स्वंय मोक्षधाम पहुंचे और इस बीच पुलिस को आगे आते देख कुछ आसपास के लोग सहयोग करने पहुंचे। पत्नी ने अपने पति की चिता को अग्नि दी,पूरा माहौल मार्मिक रहा और स्तब्ध लोग केवल यही सोंचते रहे कि इस कोरोना के संक्रमण ने क्या नहीं दिखाया? लेकिन इतना तो तय है कि गुढियारी थानेदार रवि तिवारी और पूरे स्टाफ को सैल्यूट करना होगा कि रौबदार खाकी वर्दी के पीछे मानवता भी जीवित है। आज इस घटना की राजधानी में चर्चा होते रही।

अर्णब पर हमला हुआ...

होती है। वह भी एक एफआईआर नहीं.... छत्तीसगढ़ में अकेले एक सौ एक लोगों ने एफआईआर दर्ज करवाई है। यह अपने आप में एक रिकार्ड है जो शायद कभी नहीं टूटने वाला। अब तो तकनीक का जमाना है और तकनीक से पाइंट टू पाइंट यह जाना जा सकता है कि कब क्या हुआ। फेसबुक पर रजनीश जैन नाम के एक शख्स ने यह पोस्ट डाली है कि अर्णब गोस्वामी ने खुद के ऊपर किए गए हमले की जो पोस्ट डाली है उसका वीडियो बुधवार की रात को आठ बजकर 17 मिनट पर ही तैयार कर लिया गया था। यानी हमले से कुछ घंटे पहले ही वीडियो तैयार कर लिया गया था। यदि वीडियो पर कोई कांट-छांट नहीं की गई है तो साइबर सेल की जांच-पड़ताल के बाद यह आसानी से जाना जा सकता है कि वीडियो कब बना? फेसबुक पर लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि जिस गोस्वामी को वाय श्रेणी की सुरक्षा हासिल है उसे दो लोग जो किसी भी श्रेणी के नहीं है अचानक घेरकर हमला कर देते हैं। हमले की सबसे पहली खबर रिपब्लिक भारत में रात एक बजकर छह मिनट पर दिखाई जाती है मगर उससे ठीक एक मिनट पहले यानी एक बजकर पांच मिनट पर भाजपा के संबित पात्रा ट्विट करके यह जानकारी देते हैं कि अर्णब गोस्वामी पर हमला हो गया है। अपने वीडियो में अर्णब पूरी ताकत से यह कहते हुए भी सुनाई देते हैं कि उनके साथ पूरा देश है। भारत देश है। अगर पूरा देश है तो फिर विभिन्न राज्यों में लोग एफआईआर क्यों लिखवा रहे हैं। चलिए आप सवाल उठाते हैं तो यह कह सकते हैं कि जिन लोगों ने एफआईआर की है वे सबके सब कांग्रेसी हैं। इसमें कोई दो मत नहीं कि ज्यादातर लोग कांग्रेसी हैं। अब सवाल यह भी उठ रहा है कि जब कांग्रेस कानून-सम्मत तरीके से निपटने के लिए मामले दर्ज करवा रही है तो उसे हमले की जरूरत क्या है और क्यों है? लोग यह भी कह रहे हैं कि फर्जी हमले की कहानी इसलिए भी गढ़ी गई क्योंकि सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री को विज्ञापन बंद करने की सलाह दे डाली थीं। एक बड़ा सवाल यह भी तैर रहा है कि अर्णब का बचाव केवल और केवल भाजपाई ही क्यों कर रहे हैं। कोई बड़ा पत्रकार या लेखक क्यों नहीं कह रहा है कि अर्णब के साथ गलत हुआ। इस हमले के साथ-साथ लोग राज ठाकरे का वह इंटरव्यू भी शेयर कर रहे हैं जिसमें उनकी घिग्घी बंधी हुई नजर आती है। राजदीप सरदेसाई का वह ट्वीट भी वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने लिखा है- अर्णब ने कभी भी गुजरात दंगे की रिपोर्टिंग नहीं की... लेकिन फिर भी वे कह रहे हैं कि गुजरात गया था दंगों की रिपोर्टिंग करने तब हमला हुआ था।

आरक्षक भर्ती परीक्षा...

किये जाने के निर्देश दिए गए थे।

सोनिया ने पीपीई कीट...

चैन में आ रही दिक्कतों ने किसानों को बेहाल कर दिया है। उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द निपटारा किया जाना चाहिए। खरीफ फसल के लिए भी किसानों को सुविधाएं मिले। बैठक में राहुल गांधी ने कहा-तीन हफ्ते पहले हमारी मुलाकात के बाद से महामारी ने अशांति बढ़ाई है । दोनों प्रसार और गति में। लॉकडाउन जारी है और हमारे समाज के सभी वर्गों को तीव्र कठिनाई और संकट का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से हमारे किसान और खेत मजदूर, प्रवासी श्रमिक, निर्माण श्रमिक और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक। व्यापार, वाणिज्य और उद्योग एक आभासी पड़ाव पर आ गए हैं और करोड़ों जीविकाएँ नष्ट हो गई हैं। 3 मई के बाद की स्थिति को कैसे प्रबंधित किया जाएगा, इस बारे में केंद्र सरकार को स्पष्ट जानकारी नहीं है। उस तिथि के बाद वर्तमान प्रकृति का एक लॉकडाउन और भी विनाशकारी होगा।

ये भी बोले राहुल गांधी : -तालाबंदी के पहले चरण में चली गईं 12 करोड़ नौकरियां : तालाबंदी के पहले चरण में 12 करोड़ नौकरियां चली गईं। बेरोजगारी और बढ़ने की संभावना है क्योंकि आर्थिक गतिविधि एक ठहराव पर बनी हुई है। इस संकट से निपटने के लिए प्रत्येक परिवार को कम से कम 7,500 रुपये प्रदान करना अनिवार्य है।

-हमारे सुझावों पर सिर्फ आंशिक कार्रवाई : राहुल गांधी ने कहा कि तालाबंदी शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री को कई बार लिखा गया है। मैंने अपने रचनात्मक सहयोग की पेशकश की और ग्रामीण और शहरी दोनों परिवारों की पीड़ा को कम करने के लिए कई सुझाव भी दिए। ये सुझाव हमारे मुख्यमंत्रियों सहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर तैयार किए गए थे। दुर्भाग्य से उन पर केवल आंशिक कार्रवाई की गई है।

-दुर्भाग्य से परीक्षण अभी भी कम

राहुल गांधी ने कहा कि हमने प्रधानमंत्री से बार-बार आग्रह किया है कि परीक्षण, ट्रेस और संगरोध कार्यक्रम का कोई विकल्प नहीं है। दुर्भाग्य से, परीक्षण अभी भी कम है और परीक्षण किट अभी भी कम आपूर्ति और खराब गुणवत्ता की हैं। पीपीई किट हमारे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को प्रदान की जा रही हैं, लेकिन संख्या और गुणवत्ता खराब है।

-11 करोड़ लोग सार्वजनिक वितरण प्रणाली से बाहरः राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्यान्न का प्रवेश अभी तक लाभार्थियों तक नहीं पहुंचा है। 11 करोड़ लोग जिन्हें सब्सिडी वाले खाद्यान्न की जरूरत है, वे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के बाहर हैं। इस संकट की घड़ी में परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को 10 किलोग्राम अनाज, 1 किलो दाल और आधा किलोग्राम चीनी हर महीने उपलब्ध कराना हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए।

-भाजपा फैला रही पूर्वाग्रह व घृणा का वायरस : जब हमें कोरोना वायरस से एकजुट रूप से निपटना चाहिए, तो भाजपा सांप्रदायिक पूर्वाग्रह और घृणा के वायरस को फैलाना जारी रखती है। हमारे सामाजिक समरसता के लिए गंभीर क्षति हो रही है। हमारी पार्टी, हमें उस क्षति की मरम्मत के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। कुछ सफलता की कहानियां हैं और हमें उनकी सराहना करनी चाहिए। सबसे अधिक हमें प्रत्येक व्यक्तिगत भारतीय को कोविड-19 महामारी के खिलाफलड़ाई का नेतृत्व करना चाहिए, जो पर्याप्त व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की अनुपस्थिति के बावजूद होता है।

किसानों-कारोबारियों...

उठाए जाने हैं ऐसे में यह माना जा रहा है कि पीएम मोदी लोगों के लिए इस बैठक के दौरान आर्थिक पैकेज पर चर्चा करेंगे। यह भी उम्मीद की जा रही है कि लॉकडाउन-2 की अवधि 3 मई को खत्म हो रही है, ऐसे में सरकार कुछ और कदम उठा सकती है। न्यूज एजेंसी के साथ बातचीत में एक वित्त मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि एजेंडा में आर्थिक पैकेज है क्योंकि सरकार हर क्षेत्र की आवश्यकताओं का आकलन कर रही है और उनका जरूरी समाधान के साथ आएगी। केन्द्र सरकार ने 26 मार्च का यह ऐलान किया था कि वे कोरोना संकट के दौरान अगले 3 महीने तक जरूरतमंद लोगों को मुफ्त में चावल/गेंहू मुहैया कराएगी।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का हो चुका है ऐलानः इसके अलावा, केन्द्र की तरफ से लोगों के लिए 1.70 लाख करोड़ के प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का भी ऐलान किया गया था। इस पैकेज के जरिए किसान, दिहाड़ी मजदूर, छोटे-मझोले सेक्टर को बड़ी राहत दी गई है।3 महीने तक महिला जनधन अकाउंट में 500 रुपये प्रति माह डाले जाएंगे और गरीब बुजुर्गों को 1000 रुपये प्रति माह की मदद की जाएगी। छ्क्क्ष से दिव्यांगों और बुजुर्गों की मदद की जाएगी. साथ ही मनरेगा की मजदूरी 182 रुपये से बढ़ाकर 202 रुपये कर दी गई है। मनरेगा की किस्त से 5 करोड़ परिवारों को फायदा होगा। अप्रैल में किसानों के खाते में 2000 रुपये की किस्त डाली जाएगी। सरकार की तरफ से गरीबों को 3 महीने तक हर महीने एक किलोग्राम दाल अतिरिक्त मिलेगी। साथ ही हर महीने 5 किलोग्राम गेहूं या चावल भी फ्री दिया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया था कि पैकेज से उज्जवला योजना की 8 करोड़ महिलाओं को फायदा होगा। 3 महीने तक उज्जवला लाभार्थियों को सिलेंडर फ्री मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 17 अप्रैल को कहा था कि केन्द्र जलाद ही कोविड-19 महामारी के प्रभावित गरीब और उद्योग जगत की मददद के लिए नए कदम और आर्थिक पैकेज लेकर आएगी।

केंद्रीय कर्मियों का डीए...

बकाया महंगाई भत्ते का भुगतान नहीं करने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में एक जुलाई 2020 और एक जनवरी 2021 से देय महंगाई भत्ते का भुगतान भी नहीं किया जायेगा। इसमें कहा गया है कि कर्मचारियों और पेंशनरों को वर्तमान दरों पर महंगाई भत्ते का भुगतान जारी रहेगा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, बिलासपुर (छ.ग.)
संशोधन क्रमांक 02
जी. क्रं. 77843/1
जी. क्रं. 78194/3

इस कार्यालय के पत्र क्रं. 983 दिनांक 09.03.2020 द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना क्रमांक 50 दिनांक 09.03.2020 रिफ्रेस आई.डी. नं. 202003009377 कार्य का नाम माननीय उच्च न्यायालय में क्लेरीनेशन आटोमेटिक प्लांट स्थापना कार्य प्रथम संशोधन क्रं. 02 दिनांक 22.04.2020 अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार संशोधित की जाती है।

निविदा का विवरण	पूर्व निर्धारित तिथि	संशोधित तिथि
कोरे निविदा प्रपत्र हेतु राशि जमा करने एवं निविदा प्रपत्र इस कार्यालय से जारी करने की तिथि एवं समय	22.04.2020 (कार्यालयीन अवधि)	04.05.2020 (कार्यालयीन अवधि)
निविदा रजिस्टर्ड पोस्ट/स्पीड पोस्ट डाक से प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	24.04.2020 दोपहर 3.00 बजे तक	06.05.2020 दोपहर 3.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	24.04.2020 सायं 4.00 बजे से	06.05.2020 सायं 4.00 बजे से

निविदा की अन्य शर्तें पूर्ववत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वा.यां. खंड बिलासपुर (छ.ग.)

जी-80182/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बिलासपुर (छ.ग.)
संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक 05/ले.शा./का.अभि./लोस्वायां./2020-21 बिलासपुर, दिनांक 22.04.2020

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बिलासपुर के अंतर्गत नीचे लिखे कार्य हेतु एक पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में श्रेणी ''डी'' एवं उच्च पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र ''अ'' में प्रतिशत दर पर केवल स्पीड पोस्ट/ रजिस्टर्ड डाक से निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा की समय सारणी

1. कोरे निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 13.05.2020
2. कोरे निविदा प्रपत्र हेतु राशि जमा करने एवं कोरे निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि 15.05.2020
3. निविदा स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक से प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय (अपरान्ह 3.00 बजे तक) 20.05.2020
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय अपरान्ह 4.00 बजे के बाद 20.05.2020

कार्य (स.क्र.01) की अनुमानित लागत रु. 16.422 लाख धरोहर राशि रु. 12350.00 लाख (स.क्र. 02) रु. 17.55 धरोहर राशि रु. 13200.00 (स.क्र. 03) रु. 16.05 लाख धरोहर राशि रु. 12050.00 (स.क्र. 04) रु. 18.00 लाख धरोहर राशि रु. 13500.00 कोरे निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. 750/- प्रति समूह, कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित 04 माह प्रति समूह

स. क्र.	कार्य का विवरण
1	विकासखण्ड तखतपुर के ग्राम कोपरा में राज्यमद अंतर्गत जल वितरण प्रणाली के तहत पाईप लाईन बिछाने जोड़ने एवं अन्य सिविल कार्य। 1. 90mm dia UPVC pipe 6kg/cm2-3190 Mtr. 2. 110mm dia-550 Mtr. 3. 100 mm dia G.I. Pipe Medium-24 Mtr. 4. Stand Post-06 Nos.5. Valve Chamber-05 Nos.
2	विकासखण्ड तखतपुर के ग्राम राजपुर में नाबार्ड अंतर्गत जल वितरण प्रणाली के तहत पाईप लाईन बिछाने जोड़ने एवं अन्य सिविल कार्य। 1. 90mm dia UPVC pipe 6kg/cm2-2522 Mtr. 2. 110mm dia-697 Mtr. 3. 140 mm-180Mtr. 4.100mm dia G.I. Pipe Medium-24 Mtr. 5. Valve Chamber-06 Nos.
3	विकासखण्ड बिल्हा के ग्राम मोहतरा में राज्यमद अंतर्गत जल वितरण प्रणाली के तहत पाईप लाईन बिछाने जोड़ने एवं अन्य सिविल कार्य। 1. 90mm dia UPVC pipe 6kg/cm2-2701 Mtr. 2. 110mm dia-625 Mtr. 3.140 mm dia-100Mtr. 4.100mm dia G.I. Pipe Medium-24 Mtr. 5. Valve Chamber-06 Nos.
4	विकासखण्ड बिल्हा के ग्राम सारधा में राज्यमद अंतर्गत जल वितरण प्रणाली के तहत पाईप लाईन बिछाने जोड़ने एवं अन्य सिविल कार्य। 1. 90mm dia UPVC pipe 6kg/cm2-2592 Mtr. 2. 110mm dia-990 Mtr. 3. 140 mm dia-120 Mtr. 4.100mm dia G.I. Pipe Medium-24 Mtr. 5. Valve Chamber-06 Nos.

यह निविदा सूचना मूल निविदा का एक अंश है। विस्तृत निविदा एवं पूर्ण जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 13.05.2020 कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है एवं आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है।

''हैण्डपंप संबंधी शिकायत टोल फ्री नं. 18002330008 पर दर्ज करावें''

कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बिलासपुर (छ.ग.)

जी-80175/3

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड भवन, जी.ई.रोड, तेलीबांधा, रायपुर-492006

फोन-0771-4240501, फैक्स-4094472 email-mdcgmandiboard@mail.com, website-www.samb.cg.gov.in

क्रं./बी-6/निविदा/352/बाग. हाटबाजार/20-21/118 रायपुर, दिनांक 23/04/2020

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

Main Portal : http://eproc.cgstate.gov.in
Sub Portal :http://samb.eproc.cgstate.gov.in

छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ''प्रपत्र अ'' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

(अमानत राशि तथा निविदा की फीस दोनों ही ऑनलाईन ली जावेंगी।)

क्र.	कार्य का नाम/स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ.आर. विवरण	ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	जिला कबीरधाम अंतर्गत **ग्राम मानिकचौरी** हाट बाजार में कव्हर्ड शेड 06 नग, बोरवेल हैण्डपम्प सहित 01 नग, सी.सी. रोड निर्माण।	47.26	लो.नि.वि. एवं सड़क कार्य हेतु दि. 01.01.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर.	
2	जिला कबीरधाम अंतर्गत **ग्राम तेलीटोला** हाट बाजार में कव्हर्ड शेड 06 नग, बोरवेल हैण्डपम्प सहित 01 नग, सी.सी. रोड निर्माण।	47.26		
3	जिला कबीरधाम अंतर्गत **ग्राम कामठी** हाट बाजार में कव्हर्ड शेड 06 नग, बोरवेल हैण्डपम्प सहित 01 नग, सी.सी. रोड निर्माण।	47.26		
4	जिला बेमेतरा अंतर्गत **ग्राम देवरबीजा** हाट बाजार में कव्हर्ड शेड 04 नग, सी.सी. रोड, बोरवेल हैण्डपम्प सहित 01 नग, ओपन प्लेटफार्म 06 नग, यूरिनल (पुरूष एवं महिला), नाली निर्माण।	48.36		
5	जिला बेमेतरा अंतर्गत **ग्राम सरदा** हाट बाजार में कव्हर्ड शेड 02 नग, सी.सी. रोड निर्माण।	26.11		
6	जिला सरगुजा अंतर्गत **ग्राम रघुनाथपुर** हाट बाजार में01 बंद नीलाम चबुतरा, 06 बंद नीलाम चबुतरा, सी.सी. रोड, शौचालय, विद्युत कार्य।	47.56		
7	जिला सरगुजा अंतर्गत **ग्राम लटोरी** हाट बाजार में 10 बंद नीलाम चबुतरा, सी.सी. रोड, शौचालय, विद्युत कार्य, बोर खनन कार्य।	47.70		18.05.2020
8	जिला महासमुंद अंतर्गत **ग्राम मुनगासोर** हाट बाजार में कव्हर्ड शेड 06 नग, सी.सी. रोड, बोरवेल हैण्डपंप सहित 01 नग, यूरिनल ब्लाक 01 नग निर्माण।	45.69		
9	जिला बलौदाबाजार-भाटापारा अंतर्गत **ग्राम गिरौधपुरी** हाट बाजार में कव्हर्ड शेड 09 नग, यूरिनल ब्लाक 01 नग, बोरवेल हैण्डपंप सहित 01 नग, इंटरलाकिंग पेवर ब्लाक कार्य।	48.47		
10	जिला धमतरी अंतर्गत **ग्राम छोटेकरेली** हाट बाजार में कव्हर्ड शेड 05 नग, यूरिनल ब्लाक 01 नग, बोरवेल हैण्डपंप सहित 01 नग, इंटरलाकिंग पेवर ब्लाक कार्य।	24.90		
11	जिला बालोद अंतर्गत **ग्राम कांदुल** हाट बाजार में कव्हर्ड शेड 06 नग, यूरिनल 01 नग, बोरवेल हैण्डपंप सहित 01 नग, सी.सी. रोड निर्माण।	47.49		
12	जिला बालोद अंतर्गत **ग्राम देवरीबंगला** हाट बाजार में कव्हर्ड शेड 04 नग जनरल टायलेट, बोरवेल हैण्डपंप सहित 01 नग, सी.सी. रोड।	45.61		
13	जिला कांकेर अंतर्गत **ग्राम ऐसेबेड़ा** हाट बाजार में में बाजार शेड 04 नग, सी.सी. रोड निर्माण।	24.25		
14	जिला राजनांदगांव अंतर्गत **ग्राम पानाबरस** हाट बाजार में कव्हर्ड शेड 05 नग, यूरिनल 01 नग, बोरवेल हैण्डपंप सहित, ओपन प्लेटफार्म 03 नग, सी.सी. रोड निर्माण।	47.18		
15	जिला राजनांदगांव अंतर्गत **ग्राम तुमडीबोड़** हाट बाजार में ओपन प्लेटफार्म को कव्हर्ड में परिवर्तन 27 नग, यूरिनल 01 नग, ओपन प्लेटफार्म 02 नग, सी.सी. रोड निर्माण।	48.23		

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर देखे जा सकते हैं।

फिजिक्ल सबमिशन हेतु चाहे गए अभिलेख पंजीकृत डाक से छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड, बीज भवन, जी.ई. रोड, तेलीबांधा, रायपुर को नियत तिथि तक प्रेषित करना अनिवार्य होगा।

contractor can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding for process of Electronic Procurement system Help Fesk at M/s mjunction servies Raipur-492001 on Toll Free no. 1800 419 9140 or email-helpdesk.eproc.cgswan.gov.in

(अभिनव अग्रवाल)
प्रबंध संचालक

संवाद-25178/4

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

■ न्यूज गैलरी

बिना मास्क लगाए धारा 144 का किया उल्लंघन

रायपुर। कोरोना वायरस के चलते इन दिनों पूरे जिले में कलेक्टर द्वारा धारा 144 लागू की गई है। साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को वायरस के प्रभाव से बचने के लिए मास्क लगाना कानूनन अनिवार्य किया गया है। बावजूद इसके लोग कोरोना वायरस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति लापरवाही बरत रहे हैं। कबीर नगर थाने से मिली जानकारी के अनुसार रविकुमार वर्मा आयु 20 वर्ष पिता किशोर कुमार वर्मा निवासी हीरापुर कबीरनगर द्वारा सोनडोंगरी रिंगरोड नंबर दो में अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एलजे 0588 में बिना मास्क लगाए बेवजह घूमते पाया गया।

20 बाटल अंग्रेजी शराब जब्त

रायपुर। लाकडाउन के दौरान शराब भट्टी बंद होने के कारण मदिरा प्रेमियों को शौक पूरा करने के लिए अवैध तस्करी से मिलने वाली शराब पर ही निर्भर होना पड़ रहा है। लाकडाउन में आज ढील देने के बाद भी शराब दुकान खोलने पर निर्णय नहीं लेने के कारण दबे छुपे शराब की तस्करी जारी है। गंज थाने से मिली जानकारी के अनुसार कमलनारायण सोनी आयु 33 वर्ष निवासी प्रोफेसर कालोनी रायपुर गली नंबर 5 पुरानी बस्ती से छह बाटल अंग्रेजी शराब संजय गांधी चौक गंज से ले जाते समय थाना द्वारा जब्त की गई है। वहीं गंज थाना ने एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एमजी 3215 को स्टाफ द्वारा घेरकर दस बाटल डिस्कव्हरी अंग्रेजी शराब ले जाते आरोपी से जब्त किया है।

निधन

चंद्रपाल वर्मा

रायपुर। टिकरापारा निवासी चंद्रपाल वर्मा का निधन आज शाम 4 बजे निधन हो गया है,वो सूरज वर्मा के छोटे भाई और विडीओ पत्रकार मुकेश वर्मा के चाचा थे, जिनकी अन्तयेष्टि कल सुबह 10 बजे मारवाड़ी शमशान घाट में होगा।

आईएनसी की सीडब्ल्यूसी की बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

सीएम ने सोनिया गांधी को ताजा हालात से कराया वाकिफ

कोरोना, पंचायतों और किसानों के संबंध में दी जानकारी

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। इंडियन नेशनल कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में आज कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद राहुल गांधी भी बैठक में उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बैठक में छत्तीसगढ़ में कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम एवं बचावों और जरूरतमंद लोगों के लिए किए जा रहे राहत के कार्यों की ताजा स्थिति की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बैठक में बताया कि प्रदेश में कोरोना वायरस के 36 मरीज संक्रमित पाए गए थे। जिनमें से 28 मरीज स्वस्थ्य हो गए हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, शेष 8 मरीजों का इलाज जारी है, उनकी हालात भी ठीक है। श्री बघेल ने बताया कि छत्तीसगढ़ में लॉकडाउन लागू है। कुछ अत्यावश्यक सेवाओं के लिए छूट दी गई है। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। गरीब परिवारों को तीन माह का राशन निःशुल्क दिया जा रहा है। प्रदेश के 56 लाख गरीब परिवारों को अप्रैल एवं मई दो माह का राशन निःशुल्क प्रदान किया गया है। जून माह का राशन भी निःशुल्क दिया जाएगा। मनरेगा के तहत प्रदेश की कुल 11,497 ग्राम पंचायतों में से 9494 ग्राम पंचायतों में 41 हजार 495 कार्य प्रारंभ किए गए हैं, जिनमें 11 लाख 78 हजार से अधिक मजदूर काम कर रहे हैं। कृषि गतिविधियों के लिए छूट प्रदान की गई है।

खाद, बीज की आपूर्ति के भी प्रबंध किए गए हैं। राजीव गांधी किसान न्याय योजना भी शीघ्र प्रारंभ कर किसानों को धान के 2500 रूपए प्रति क्विंटल और समर्थन मूल्य के अंतर की राशि का वितरण प्रारंभ किया जाएगा। वनांचलों में तेंदूपत्ता संग्रहण की तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस कार्य में लगभग 13 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को 650 करोड़ रूपए की मजदूरी का भुगतान किया जाएगा। राज्य सरकार ने महुआ की खरीदी 17 रूपए से बढ़ाकर 30 रूपए प्रति किलोग्राम की दर से करने का निर्णय लिया है।

बताई फंसे मजदूरों-छात्रों की स्थिति

श्री बघेल ने कांग्रेस वर्किंग कमेटी में यह भी जानकारी दी कि अन्य राज्यों में लॉकडाउन के कारण फंसे विद्यार्थियों और मजदूरों की राज्य में वापसी का विषय भी काफी गंभीर है। केन्द्र सरकार को इसके लिए भी नीति निर्धारित करनी चाहिए। जिससे विद्यार्थियों और मजदूरों की छत्तीसगढ़ वापसी संभव हो सके, लेकिन केन्द्र सरकार इस विषय पर मौन है।

सीएम ने कहा हमने केंद्र से मांगा है पैकेज

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि कोविड-19 संकट के समय केन्द्र सरकार को आगे बढकर राज्यों को आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। तभी कोविड-19 के विरूद्ध इस लड़ाई को जीता जा सकेगा। श्री बघेल ने श्रीमती सोनिया गांधी को बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 30 हजार करोड़ रूपए के पैकेज की मांग की गई है। जिससे प्रदेश के लाखों जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत और कल्याणकारी योजनाओं तथा राज्य के सामान्य काम-काज का संचालन सुचारू रूप से संभव हो सके। श्री बघेल ने यह भी बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से इस राशि में से 10 हजार करोड़ रूपए तत्काल जारी करने का आग्रह किया है, ताकि उद्योग, व्यवसाय, सेवा क्षेत्र एवं कृषि क्षेत्र को आर्थिक सहायता दी जा सके। कोविड-19 के प्रसार की नियंत्रित स्थिति को देखते हुए राज्य को आंशिक राजस्व प्राप्ति से संबंधित आर्थिक गतिविधियों के संचालन की छूट तत्काल प्रदान करने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी बताया कि केन्द्र सरकार से मिठाई दुकानों के संचालन में छूट की मांग की गई है, जिससे दुग्ध उत्पादक कृषकों का दूध बिकना संभव हो सके। इसी तरह कोविड-19 संक्रमण रोकने गाईडलाइन का पालन करते हुए संपत्तियों के क्रय-विक्रय के पंजीयन की छूट सहित वाहनों के शो रूम का संचालन एवं पंजीयन, शहरों में निर्माण कार्यों के संचालन, ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए एयर कंडिशनर, कूलर एवं फ्रिज के शो रूम के संचालन, समस्त प्रकार के रिपेयरिंग कार्य और सभी ग्रीन जिलों में सभी प्रकार के रीटेल कार्य खोलने की छूट मांगी गई है।

मंत्री सिंहदेव से नेताप्रतिपक्ष कौशिक ने कहा ध्यान दें सरकार

रैपिड जांच किट के टेंडर की करें उच्चस्तरीय जांच

75000 टेस्ट किट खरीदने में हुई है अनियमित्ता

नवप्रदेश संवाददाता

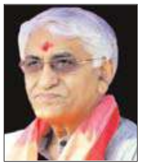

रायपुर। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव से मांग की है कि 75000 रैपिड टेस्ट किट खरीदने के लिए जो निविदा मंगाई गई थी उसकी उच्च स्तरीय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे निविदा प्रक्रिया में अनेक विसंगतियां थी।

श्री कौशिक ने कहा है कि नियम के मुताबिक अल्पकालीन निविदा में कोई अमानत राशि रखी गई थी, जो कि भंडार क्रय नियम का खुला उल्लंघन था। इसी कारण जिन फर्मों ने निविदा में भाग लिया था उन्होंने अपने मन से कोई भी रेट डाल दिया और जब उन्हें लगा कि हम इस दर पर समान नहीं दे पाएंगे तो उन्होंने सामग्री देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि अमानत राशि ना होने के कारण विभाग के द्वारा ना तो कोई राशि जब्त की गई और ना ही निविदाकार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई। वहीं विभाग के द्वारा निविदा निरस्त करने के कोई और कारण बताए गए हैं जबकि वास्तव में निविदा इसलिए निरस्त की गई है कि सफल निविदाकार द्वारा दरें कम भरी गई है ऐसी चर्चा लगातार हो रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि निविदा निरस्त करके कहीं ना कहीं सफल निविदाकार को मदद प्रदान की गई है जबकि सफल निविदाकार के द्वारा जो दर भरी गई है उस दर से यदि अधिक दर पर किट खरीदी जाती है तो संपूर्ण अंतर राशि सफल निविदाकार से लेने के नियम हैं मगर निविदा को निरस्त किया गया है। जिससे की निविदाकार को लाभ पहुंचाया जा सके। इस मसले पर स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव को कठोर कदम उठाकर अंतर की राशि सफल निविदाकार से वसूलने के लिए निर्देश देने चाहिए।

उन्होंने कहा कि भंडार क्रय नियमों का पालन ना करके निविदा को आमंत्रित करना व बाद में निविदा को निरस्त कर देने से महामारी से निपटने के लिए हमारा प्रदेश काफी पीछे चले गया। हम अब पूरे प्रदेश में बहुत तेज गति से परीक्षण नहीं कर पा रहे हैं जिससे यह तय नहीं हो पा रहा है कि और कितने संक्रमित व्यक्ति छत्तीसगढ़ में हैं जो कहीं अन्य लोगों को भी संक्रमित तो नहीं कर रहे हैं।

श्री कौशिक ने कहा कि विडंबना यह है कि विभाग का कहना है कि जो निविदा निरस्त की गई है वह केंद्र शासन द्वारा कस्टम में दी गई छूट व अन्य कारणों से दी गई है जबकि विभागीय मंत्री श्री सिंहदेव का बयान था कि भारत को प्राप्त होने वाले रैपिड टेस्ट किट का अमेरिका चले जाने के कारण निविदाकार प्रदाय करने में असमर्थ है। इस पूरे मामले की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने के लिए इसमें उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है साथ ही साथ निविदाकार के विरुद्ध कठोर कदम उठाने के लिए निर्देश देने चाहिए ताकि निविदाकारों को स्पष्ट संदेश जाए कि भंडार क्रय नियम का उल्लंघन करने से कठोर कार्रवाई होती है। उन्होने कहा कि यदि सही निविदा का आमंत्रण किया जाता तो आज प्रदेश में 75000 किटों से परीक्षण त्वरित गति से प्रारंभ हो जाता। उन्होंने कहा कि साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जो किट की खरीदी हो वह मानक व निर्धारित मापदंड के अनुरूप ही हो ताकि उस में किसी भी प्रकार की विसंगति ना आए और जांच में सही परिणाम हमें प्राप्त हो।

राष्ट्रीय चैनल के संपादक के खिलाफ कांग्रेस ने खोला मोर्चा

24 घंटे में अर्णब के खिलाफ 28 जिलों में 101 केस दर्ज

■ सोनिया-राहूल गांधी पर टिप्पणी से भड़की प्रदेश कांग्रेस

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कांग्रेस की राष्टीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर एक निजी चैनल के पत्रकार अर्णब गोस्वामी के खिलाफ पूरे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। कल रायपुर व बिलासपुर में एफआईआर के बाद तो प्रदेश में संगठन पदाधिकारियों ने पूरे 28 जिलों में 101 एफआईआर अब तक दर्ज करवायी है और उन्हे तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की गई है। यह एफआईआर गोस्वामी द्वारा एक टीवी कार्यक्रम में कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी के विरुद्ध विधि-विरुद्ध टिप्पणी करने एवं फेक न्यूज की शिकायत के आधार पर की गई हैं। विवेचना के दौरान आरोपी अर्णब गोस्वामी को सीआरपीसी की धाराओं के अंतर्गत आज-कल में नोटिस भेजी जा सकती है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गोस्वामी के बयान को लेकर तीखा ट्वीट किया था।

फेक न्यूज और विधि विरुध्द टिप्पणी का केस

एफआईआर की संख्या	जिले का नाम
02	रायपुर
06	गरियाबंद
06	धमतरी
07	महासमुन्द
04	बलीदाबाजार-भाटापारा
12	दुर्ग
01	बेमेतरा
02	राजनांदगांव
05	बालोद
02	कबीरधाम
04	बिलासपुर
01	मुंगेली
04	कोरबा
02	रायगढ़
08	जांजगीर-चांपा
00	जी.पी.एम.
01	सरगुजा
00	बलरामपुर
01	कोरिया
07	जशपुर
01	सूरजपुर
03	बस्तर
06	कांकेर
04	कोण्डागांव
03	दंतेवाड़ा
03	बीजापुर
01	नारायणपुर
05	सुकमा
योग -	101

सीएम बघेल ने केंद्रीय मंत्री तोमर को लिखा पत्र

■ मनरेगा की मजदूरी खाद्यान्न के रूप में भुगतान करने की अनुमति देने का किया अनुरोध

■ राज्य में 31.50 लाख सक्रिय परिवारों के 62.52 लाख व्यक्तियों की आजीविका मनरेगा पर निर्भर

■ खाद्यान्न सुरक्षा के साथ लॉकडाउन में श्रमिकों को मिलेगी कई समस्याओं से राहत

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि और किसान कल्याण और पंचायती राज मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को पत्र लिखकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्यरत श्रमिकों को मजदूरी भुगतान के रूप में खाद्यान्न प्रदान करने की स्वीकृति देने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अपने पत्र में लिखा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजनांतर्गत मजदूरी राशि का भुगतान नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फण्ड मैनेजमेंट सिस्टम (एनईएफएमएस) के माध्यम से सीधे श्रमिकों के खातों में क्रेडिट होता है। कोरोना वायरस संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए पूरा राज्य लॉकडाउन है। राज्य में 31 लाख 50 हजार सक्रिय परिवारों के 62 लाख 52 हजार व्यक्तियों की आजीविका मनरेगा पर ही निर्भर है। ऐसी स्थिति में प्रभावी लॉकडाउन एवं संक्रमण से बचाव के समस्त साधनों का प्रयोग करते हुए योजना का क्रियान्वयन अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य शासन द्वारा कोरोना वायरस से बचावों के उपायों सहित मनरेगा योजनांतर्गत कार्य सम्पादित कराये जा रहे हैं तथा वर्तमान में लगभग 5 लाख श्रमिक प्रति दिन नियोजित हो रहे हैं। मजदूरी की राशि क्रेडिट होने के बाद उन्हें अपने भोजन (खाद्यान्न) जैसी प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पहले खातों से पैसा निकालने की आवश्यकता होगी, जिससे वे परेशान तो होंगे ही साथ ही सोशल डिस्टैसिंग के पालन में भी कठिनाई होगी। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ में बैंक शाखाओं की कमी है, साथ ही नक्सल प्रभावित एवं आकांक्षी जिलों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की भी समस्या है। इस कारण प्रायः लिंक फेल होने जैसी समस्याएं होती हैं, जिसके कारण राशि आहरण हेतु मजदूरों को कई बार बैंक में सम्पर्क करना पड़ जाता है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने पत्र में लिखा है कि राज्य शासन के पास पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध है तथा इसके वितरण की प्रभावी व्यवस्था लागू है। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत कार्यरत श्रमिकों की मजदूरी की राशि राज्य शासन को उपलब्ध कराते हुए इसके विरूद्ध उन्हें खाद्यान्न वितरित करने की अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया है।

11.78 लाख मजदूरों को मिल रहा रोजगार

रायपुर (नव प्रदेश)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार राज्य में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के रोकथाम के लिए देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों की 9 हजार 494 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत मनरेगा के तहत 11 लाख 78 हजार 374 जरूरतमंद मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के तहत राज्य में 41 हजार 495 कार्य शुरू किए गए हैं।

अर्णव पर गुंडावाहिनी का हमला बेहद शर्मनाक -डॉ. रमन

■ सोनिया गांधी को प्रेस जगत से नि:शर्त क्षमायाचना करनी चाहिए

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने रिपब्लिक भारत टीवी न्यूज चैनल के संपादक अर्णव गोस्वामी और उनकी पत्नी पर मुंबई में कांग्रेस की गुंडा वाहिनी द्वारा किए गए हमले को लोकतंत्र के लिए बेहद शर्मनाक बताया है। डा. सिंह ने कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व की चुप्पी पर हैरत जताई और कहा कि कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस मामले में देश और ख़ास कर प्रेस जगत से निःशर्त क्षमायाचना करनी चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि श्री गोस्वामी और उनकी पत्नी पर कांग्रेस के गुंडों ने हमला करके कांग्रेस के राजनीतिक चरित्र को बेनकाब कर दिया है। सहिष्णुता और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर गाहे-बगाहे प्रलाप करने वाला कांग्रेस का नेतृत्व अपनी राजनीतिक आलोचना पर इतना असहिष्णु हो गया कि गुंडों को भेजकर न केवल एक पत्रकार या व्यक्ति पर, अपितु प्रेस की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला करवाया। ऐसा करके कांग्रेस ने अपने नितांत अलोकतांत्रिक चरित्र का प्रदर्शन किया है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि कांग्रेस श्री गोस्वामी के खिलाफ देशभर में एफआईआर कराके आतंक और दबाव की स्थिति बनाने पर आमादा है। छत्तीसगढ़ में भी श्री गोस्वामी के खिलाफ 101 एफआईआर दर्ज कराया जाना कांग्रेस की इसी असहिष्णुता और तिलमिलाहट का परिचायक है। छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता ऐसा करके सांप्रदायिक जहर और नफरत के माहौल को अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के लिए पोषित कर रहे हैं। ऐसा करके प्रदेश के कांग्रेस नेता खानदान के प्रति अपनी स्वामीभक्ति के प्रदर्शन की होड़ में भी अव्वल बने रहना चाहते हैं।

राज्य में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा के आसार

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य में कल एक बार फिर से मौसम के मिजाज में कुछ बदलाव आ सकता है। इस दौरान कुछ इलाकों में हल्की वर्षा अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं। मौसम विभाग के नियमित रिपोर्ट की माने तो वर्तमान में एक चक्रीय चक्रवाती घेरा बना हुआ है। यह चक्रवाती घेरा पश्चिम विदर्भ और इसके आसपास के इलाकों के ऊपर 0.9 किमी की ऊंचाई पर स्थित ह। यहां से एक द्रोणिका भी बनी हुई है जो कि मराठवाड़ा के अंदरुनी इलाकों से लेकर कर्नाटक और तमिलनाडू होते हुए कोमोरिन क्षेत्र तक स्थित है। इसके प्रभाव से कल 24 अप्रैल को कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। वहीं एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ आकाशी बिजली, ओलावृष्टि होने तथा तेज हवाएं चलने की संभावना बन रही है।

मौसम विभाग की माने तो इस सिस्टम का कोई ज्यादा असर प्रदेश पर नहीं होगा और न ही राज्य के प्रमुख शहरों के अधिकतम तापमान पर इसका कोई विशेष असर होगा। हालांकि बदली-बारिश से जरूर कुछ फर्क आएगा, लेकिन यह असर ज्यादा समय तक नहीं रहेगा और तापमान में क्रमशः वृद्धि का आंकड़ा बना रहेगा।

बिना लेट फीस की अवधि के लिया जाए बिजली बिल

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र के माध्यम से बिजली बिल बिना लेट फीस के लिये जाने की गुजारिश की है। उन्हों ने कहा है कि कोरोना वायरस के रोकथाम हेतु प्रदेश में चल रहे लॉकडाउन के कारण छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मार्च-अप्रैल 2020 के बिजली बिल को 30 अप्रैल 2020 तक आनलाईन जमा करने का समय दिया है। प्रदेश के विभिन्न ग्रामों में इंटरनेट की समस्या को देखते हुये ग्रामवासियों को आनलाईन बिजली बिल भुगतान में परेशानी होना स्वाभाविक है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा दो माह बिल के रीडिंग के आधार के स्थान पर जो विद्युत बिल उपभोक्ताओं को दिया गया है वह 12 महिने के औसत की रीडिंग के आधार पर दिया गया है, जिसके कारण उपभोक्ताओं के बिजली बिल भी ज्यादा राशि के आ रहे हैं। वर्तमान में चल रहे लॉकडाउन के कारण वैसे भी उपभोक्ताओं के आर्थिक कमाई के संसाधन बंद हो चुके हैं, ऐसी स्थिति में उपभोक्ताओं पर अनावश्यक रूप से आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

30 अप्रैल 2020 तक बिजली बिल न जमा करने के स्थिति में उपभोक्ताओं से लेट फीस की राशि भी वसूली की जायेगी जिससे उपभोक्ताओं को अत्यधिक आर्थिक नुकसान उठाना होगा। ऐसी स्थिति को देखते हुये अनुरोध है कि कृपया बिजली बिल के भुगतान हेतु 15 मई 2020 तक बिना लेट फीस की अवधि निश्चित किया जाय।

लॉक डाउन के दौरान पति-पत्नी के बीच सखी सेंटर ने फोन कॉल में कराई सुलह

- पति ने महिला को घर से निकाला सखी सेंटर ने दिया आश्रय कॉउंसलिंग के बाद महिला पहुंची घर
- सखी सेंटर ने अब तक 623 प्रकरणों का किया है निराकरण

कोण्डागांव। विगत दिनों लॉक डाउन के दौरान संपूर्ण देश मे बन्द दरवाजों के पीछे होने वाले अपराधों में लगातार इजाफा देखने को मिला है ऐसे में सखी सेंटर्स ऐसी महिलाओं की मदद के लिए बढ़ चढ़ कर आगे आई हैं। ऐसा ही एक वाक्या विगत दिनों कोण्डागांव के सखी सेंटर में आया जब एक महिला को उंसके पति ने कुछ बातों पर हुई कहासुनी को लेकर घर से बच्चे के साथ निकाल दिया ऐसी विषम परिस्थिति में महिला को अपने परिजनों के पास जाने के लिए लॉकडाउन में कोई परिवहन का साधन भी प्राप्त नही हुआ असहाय अवस्था मे वह सखी सेंटर के दरवाजे पर पहुंची जहां उसे आश्रय मिला। जहां पहुँचने पर सर्वप्रथम सखी सेंटर के कर्मचारियों ने कोविड-19 से बचने के लिए सरकार द्वारा दिये गए निर्देश का पालन करते हुए उसे हाँथ धूला कर मास्क पहना कर अंदर लाया गया। महिला की आप बीती सुनने के पश्चात सखी सेंटर प्रमुख सुश्री रीता चालकी ने तुरन्त इसकी सूचना कोण्डागांव थाना प्रमुख को दी साथ ही महिला एवं बच्चे के लिए स्वल्पाहार का इंतेजाम किया गया। फिर महिला के पति से मोबाइल कॉल पर सखी सेंटर प्रमुख द्वारा बात की गयी और पति ने कॉउंसलिंग के बाद महिला के साथ रहने में सहमति जताई। महिला को उंसके बच्चे और सखी सेंटर स्टाफ के साथ कोण्डागांव कोतवाली पुलिस की सहायता से उसके घर तक ले जाया गया जहाँ पर पुलिस ने पति को समझाइश भी दी एवं सहभागी रूप से जीवन यापन करने की सलाह भी। ज्ञात हो कि इस संकट की स्थिति में भी सखी सेंटर इस प्रकार की मजबूर एवं असहाय महिलाओं के लिए अनवतर खुला हुआ है, जहां घरेलू हिंसा एवं प्रताड़ित सभी महिलाओं को संरक्षण एवं आश्रय मिल रहा है। अब तक लॉकडाउन में सखी केन्द्र में कुल 04 प्रकरण आये है, जिसमे 02 घरेलू हिंसा एवं 02 कोण्डागांव थाने से आश्रय के लिए लाए गए थे।

अब तक 623 प्रकरणों का हुआ है निराकरण

सखी वन स्टॉप सेंटर की स्थापना केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत कोण्डागांव में वर्ष 2017 में हुई थी। तब से वर्तमान वर्ष तक यहां कुल 664 प्रकरणों को दर्ज किए गए, इसमें से 623 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है, अब तक कुल 257 महिलाओं एवं बालिकाओं को आश्रय दिया जा चुका है।

न्यूज गैलरी

यूपी, बिहार सांस्कृतिक समिति ने किया जरूरतमंदों के लिए अन्न दान

बचेली। उत्तरप्रदेश,बिहार सांस्कृतिक समिति बचेली के द्वारा आज तहसील कार्यालय में लाकडाउन से प्रभावित जरूरतमंद लोगों के लिए सूखा राशन सामग्री तहसीलदार श्री पीआर पात्र सर के सुपुर्द किया गया। आपको बता दे की नगर के सभी समाज के लोग किसी ना किसी माध्यम से जरूरतमंद लोगों की मदद को आगे आ रहे है। सुखा राशन सामग्री का वितरण इस प्रकार से है अरहर दाल 90 किलो, रिफाइंड तेल 50 पैकेट,सोयाबीन बड़ी 40 किलो,नमक 50 पैकेट, सुखा लाल मिर्ची 20 किलो,नहाने का साबुन 100 नग,कपड़ा धोने का साबुन 100 नग खाद्य बैंक में जमा किया गया। जहां से जरूरतमंद लोगों को ये सूखा राशन वितरित किया जाएगा। इस मौके पर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

एसपी बालाजी राव पहुंचे निरीक्षण पर ड्यूटी में लापरवाही पर 4 को किया निलंबित

कोंडागाँव। गुरुवार 23 अप्रेल को अलसुबह प्रातः 04.45 बजे पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव बालाजी राव के द्वारा थाना कोतवाली कोण्डागांव का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रात्रि कालीन ड्यूटी में लगाये गये उप निरीक्षक नमिता टेकाम ड्यूटी से अनुपस्थित मिली एवं प्रधान आरक्षक क्रमांक 58 संजय बिसेन, आरक्षक क्रमांक 271 महाराणा प्रताप भुआर्य एवं आरक्षक क्रमांक 389 परसुराम बैद्य अत्यन्त लापरवाहीपूर्वक ड्यूटी करते पाये जाने पर तत्काल कार्यवाही करते हुए निलम्बित कर रक्षित केन्द्र कोण्डागांव सम्बद्ध किया गया।

कोरोना वायरस महामारी से लड़ते हुए प्राणा त्यागे योद्धाओं के लिए 2 मिनट का मौन

कोरबा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन दीपका क्षेत्र के द्वारा भारतीय मजदूर संघ के द्वारा तय समय शाम 4.00 बजे पूरे विश्व में फैले महामारी कोरोना वायरस से लड़ते हुए जिन्होंने अपना जीवन त्याग दिया है ऐसे योद्धाओं के लिए 2 मिनट का मौन धारण कर उनको श्रद्धांजलि दिया गया , इसके बाद राष्ट्रगान गा कर हम सब के रक्षक बने डॉक्टर , नर्स , हॉस्पिटल का पूरा स्टाफ, सफाई कर्मचारी प्रशासन के कर्मचारियों , पुलिसकर्मी का उत्साह वर्धन किया गया। इसके पश्चात पुष्प गुलदस्ता भेंट कर उनका हौसला बढ़ाते हुए उनके द्वारा अब तक किए गए प्रयासों का भी स्वागत किया गया । आगे भी एकजुट होकर हम सब इस लड़ाई को लड़ने का संकल्प लिए। यहां सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए कार्यक्रम किया गया।

लॉकडाउन से प्रभावित कोल कर्मियों के लिये कोल इंडिया ने जारी किया आदेश

कोरबा। एसईसीएल कोरबा एरिया के अंतर्गत ढेलवाडीह भूमिगत कोयला खदान में कार्यरत कर्मचारियों को क्वारेंटाईन किये जाने के बाद एचएमएस केंद्रीय महामंत्री नाथूलाल पांडेय ने कोयला मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर कोरोना वायरस से प्रभावित कोयला कर्मचारियों जिन्हें क्वारेंटाईन किया गया है या लॉकडाउन से कार्यस्थल नही पहुच पा रहे है ऐसे कर्मचारियों को स्पेशल लीव देकर बिना कार्य के वेतन भुगतान किया जाने की मांग किया था जिसके बाद अब कर्मचारियों को स्पेशल लीव देने का रास्ता साफहो गया है इस संबंध में कोल इंडिया ने विशेष दिशा निर्देश जारी किया है। उल्लेखनीय है कि ऐसे कर्मचारी जिन्हें स्वास्थ्य विभाग या शासन द्वारा क्वारेंटाईन किया गया है या फिर कोविड-19 संक्रमण के फैलाव को रोकने हेतु होम क्वारेंटाईन किया गया है या बोला गया। ऐसे सभी कर्मियों से अगर संभव हो तो घर से ही कार्य लिया जावे अन्यथा संभव न होने की दशा में उक्त कर्मचारी को स्पेशल लीव्ह पर मानते हुए पूर्ण वेतन दिया जावेगा, किन्तु उक्त कर्मचारी शारिरिक उपस्थिति के अनुसार अन्य भत्तों का पात्र नहीं होगा। इसी तरह कर्मचारी जो स्वीकृत वैतनिक छुट्टी समाप्ति पश्चात लॉकडाउन के कारण कार्य स्थल नहीं पहुंच पा रहे हैं, ऐसे सभी कर्मियों से संभव हो तो उनसे घर से ही कार्य लेवें।

पीएम आवास के लिए लॉकडाउन बना रोड़ा

कोरबा । वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2019-20 तक 29 हजार 708 पीएम आवासों को स्वीकति मिली है, इसमें 11 हजार आवास का निर्माण अब तक पूरा नहीं हुआ है। लॉकडाउन के कारण मजदूर नहीं मिलने और भौतिक सत्यापन नहीं होने केंद्र से राशि आवंटन बंद है। भौतिक सत्यापन में अफसरों की ओर से की जा रही देरी से पहली किश्त से आवास निर्माण का काम शुरू कर चुके लोगों को शेष किश्त के लिए भटकना पड़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए 15,500 आवासों का लक्ष्य मिला है। निर्माण के लिए राशि जारी नहीं होने की वजह से लंबित आवासों की तादाद बढ़ती जा रही है।

आवास योजना के तहत लंबित भवन की तादाद दो वर्ष के अंतराल में 11 हजार हो गई है। इनमें ऐसे भवन हैं जिनके केवल एक स्टॉलमेंट की राशि जारी हुई है। राशि के आवंटन के अभाव में निर्माण संभव नहीं हुआ है। आवास निर्माण को जितना सरल माना जा रहा है, वास्तव में यह उतना ही जटिल है। प्रथम किश्त की राशि मिलने के बाद आवास निर्माण के लिए प्रेरित किया जाता है। राशि खर्च होने के बाद भौतिक सत्यापन होने पर ही दूसरी किश्त जारी की जाती है। कोरोना संक्रमण शुरू होने के बाद सत्यापन कार्य बंद है। सत्यापन नहीं होने की स्थिति में कई हितग्राहियों का काम बंद हो चुका है। विडंबना यह है कि आवास निर्माण के लिए वर्ष दर वर्ष लक्ष्य निर्धारित तो किया जा रहा, किंतु सत्यापन के चलते राशि आवंटन में देरी हो रही है। यही वजह है कि साल दर साल लंबित भवनों की तादाद बढ़ रही है। प्रधानमंत्री आवास निर्माण चार साल पहले शुरू हुआ है। इन चार वर्षो में भले ही प्रशासन 38 हजार आवासों की ग्रामीण क्षेत्र में स्वीकृति दे चुकी है। लॉकडाउन के पहले जिन हितग्राहियों की राशि जारी हुई थी, वे मजदूर और सामग्री के अभाव में निर्माण नहीं कर पा रहे हैं।

कमीशन के चक्कर में अधूरे

जिन आवासों को पूर्ण होने का दावा किया जा रहा है उनमें ऐसे कई आवास हैं जिनके दीवारों में प्लास्टर व खिड़की दरवाजे का काम अधूरा है। आवास के लिए 1.15 लाख निर्धारित है। कमीशन की शर्त पर ही सूची में नाम चढ़ाए जाने से आवास निर्माण का सही लाभ वास्तविक हितग्राहियों को नहीं मिल रहा है। कमीशनखोरी के चलते आवास योजना एक बार पि?र से इंदिरा आवास की तरह दिखावा साबित हो रही है।

नए वित्तीय वर्ष में कहां कितनी स्वीकृति

विकासखंड	आवास
करतला	2,549
कटघोरा	1,257
कोरबा	2,323
पाली	2,299
पोड़ी-उपरोड़ा	2,072

अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष के द्वारा न्यूज एंकर पर अपराध पंजीबद्ध करने ज्ञापन सौंपा

केशकाल। छत्तीसगढ़ -राज्य - कांग्रेस कमेटी कोंडागांव -जिला - अल्पसंख्यक अध्यक्ष -इमरान विरानी के द्वारा रिपब्लिक -मीडिया नेटवर्क के मुख्य राष्ट्रीय संवाददाता -अर्नब गोस्वामी एंकर द्वारा सामाजिक- सांप्रदायिक -सद्भावना बिगड़ने के नियत से देश में अराजकता फैलाने वाला वक्तव्य अपने न्यूज़ चैनल पर दिया गया। अर्नब गोस्वामी के द्वारा भारतीय -राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी व पूरी कांग्रेस- पार्टी की मर्यादा भंग करने की नियत से आपत्तिजनक बयान दिया गया। जो कोरी कल्पना ऊपर आधारित है इस बयान से देश के करोड़ों नागरिको के मन में घोर- गुस्सा और प्रतिशोध की भावना घर कर गई है। कभी भी यह गुस्सा सड़कों पर फूट सकता है। और संप्रदायिक- सद्भावना तार- तार हो सकती है ।अर्नब गोस्वामी का बयान सोशल मीडिया में भी जमकर फैलाया जा रहा है। जिससे देश में नफरत वा अराजकता -फैलने की आशंका तेजी से बढ़ रही है। यह बयान सुनने में काफी बुरा लग रहा है अतः मामले की जांच कर दोषी के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही करने हेतु केशकाल थाना- प्रभारी देवेंद्र दरों को कोंडागांव - जिला के अल्पसंख्यक अध्यक्ष -इमरान विरानी, अल्पसंख्यक प्रदेश महासचिव मो.शाहिद मेमन पूर्व पार्षद- जितेंद्र रजक, संवाददाता - मुजीब उस्मान, संवाददाता -शेख मकबूल एवं लोमेश राव शिंधे छगन द्वारा ज्ञापन- सौंप एफ.आई .आर .दर्ज कराई गई

जिले में अतिरिक्त गतिविधियों में मिली छूट

बीजापुर। कोरोना वायरस को (कोविड 19) संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु कलेक्टर जिला दण्डाधिकारी केडी कुंजाम ने सम्पूर्ण बीजापुर जिले में 03 मई 2020 तक कार्यालय/प्रतिष्ठान /सेवाओ इत्यादि को दी गई छूट के संबंध में दिशा. निर्देश जारी किया है। छग शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा चिन्हित जिले हाटस्पाटसट के भीतर केंटेन्मेंट जोन को छोड़कर शेष क्षेत्रों में 20 अप्रैल 2020 से कार्यवाही हेतु जारी अतिरिक्त निर्देश के परिपालन में एतद् द्वारा उक्त संशोधित आदेश में अतिरिक्त गतिविधियों में छूट दी गई है।

ऐरमनार गांव के निवासी बलराम पोडियामी ने की आत्माहत्या करने की कोशिश

बीजापुर। ऐरमनार गांव के निवासी बलराम पोडियामी (25) जिला बीजापुर गांव एरामनार का निवासी है उसके चाचा ने बताया है 15 तारिक को रायपुर से आया 16 तारिक को ऐरमनार गांव मे ऐ आइसोलेट था घर में ही कमरे में खुद फांसी लगा लिया उसके घर वाले ने देख कर रस्सी काट दिए तुरंत 108 में कॉल करके एम्बुलेंस को बुलाया 108 जैसे संजीविनी एक्सप्रेस एम्बुलेंस इएमटी मोहन पायलट किशोर ने पस्ट एआईडी देकर डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल बीजापुर शिफ्ट किया जहां इसका ईलाज जारी है। जब हमने इस संबंध में डॉ. बीआर पुजारी से फोन से संपर्क करने पर उन्होंने बताया है कि युवक की जान.खतरे से बहार है और ईलाज जारी है।

स्व सहायता समूहो द्वारा अब तक 24 हजार 238 मास्क का निर्माण किया

बीजापुर । कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु लॉकडाउन निर्माण कर जिले के सभी ब्लॉको में विभिन्न महिला स्व सहायता समूह द्वारा छ.ग. राज्य हाथ करघा विभाग से 2000 मीटर कपडा क्रय कर जिले में मास्क का निर्माण किया जा रहा है। मास्क निर्माण में लगे स्व सहायता स म ू ह भोपालपटनम से बमलेश्वरी स्व सहायता समूह, भैरमगढ़ से जय दूर्गा ए जय बाबा भैरमगढ़ ए स्व सहायता समूह बीजापुर से ज्योति समूह ए जय बूढ़ादेव स्व सहायता समूह एवं उसूर विकासखण्ड से पोसम्मा एवं मैरी स्व सहायता समूह द्वारा मास्क निर्माण किया जा रहा है। अब तक 24 हजार 238 मास्क का निर्माण कर 20 हजार 852 मास्क विक्रय कर चुके एवं 4 लाख रुपये अर्जित कर चुके है। मास्क की पूर्ति सभी जनपद पंचायतों , ग्राम पंचायतए सीआरपीएफ कैंप एवं बाजारों में भी आपूर्ति किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा 15 हजार मास्क का आर्डर स्व सहायता समूहों को दिया गया है। जिसका 4 हजार मास्क बनकर तैयार है। कोरोना के चलते लॉकडाउन के स्थिति मे महिला स्व सहायता समूहों के सदस्यों की आर्थिक स्थिति सुधरी है एवं सेवा भाव से संक्रमण से बचने के लिए साथ साथ आर्थिक रुप से सक्षम होती नजर आ रही है।

शुष्क दिवस घोषित

बीजापुर। कलेक्टर केडी कुंजाम ने छग आबकारी अधिनियम की धारा 1915 की धारा 24 की उपधारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए छग शासन वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग के अनुसार नोवल कोरोना वायरस (कोवीड 19) के संक्रमण में आम जन को सुरक्षित रखने के उददेश्य से बीजापुर जिले में संचालित समस्त देशी-विदेशी मदिरा दुकानों को 22 अप्रैल से 28 अप्रैल 2020 तक 07 दिवस के लिए शुष्क दिवस घोषित किया गया है। उक्त अवधि में जिले के समस्त देशी एवं विदेशी मदिरा दुकाने बंद रहेगी।

गरीब व मजदूरी करने वाले परिवार को खाद्य सामग्री वितरण किया

बीजापुर। कोरोना वायरस (कोविड 19) का कहर देश विदेशों में पहले की वजह से देश में आर्थिक संकट भी गहराने लगा है। ऐसी स्थिति में शासन प्रशासन के साथ स्थाई लोगों ने भी गरीब व मजदूरी करने वाले परिवार को खाद्य सामग्री वितरण कर सहयोग करते आ रहे हैं। स्थानीय व्यापारी संजय लुक्कड़ ने खाद्य सामग्रियों का वितरण गरीब व मजदूरी करने वाले परिवार वालों को दिया। नगर पालिका एक नंबर वार्ड शहीद बुधराम राना नगरवार्ड में रहने वाले लगभग 80 गरीब व मजदूरी करने वाले परिवारों को हरी सब्जी दाल शक्कर चाय पत्ती शहीद नन्हे बच्चों को बच्चे को चॉकलेट बिस्किट भी दिया। खाद्य सामान के साथ - साथ संजय लुक्कड़ और वार्ड के पार्षद नंदकिशोर राना ने वार्ड वासियों को मास्क वितरण कर बताया कि आवश्यक काम होने पर ही घर से बाहर निकले। और जब भी निकले तो मास्क या गमछा से मुंह नाक पर ढककर ही निकले और हर व्यक्तियों को 6 फीट की दूरी बनाए रखने के लिए कहां।

युवती ने की जहर खाकर खुदकुशी

केशकाल। एक ओर दुनिया भर में कोरोना- वायरस रूपी- महामारी के कारण लोग अपनी जान गवाँ रहे हैं वही कोंडागांव -जिले के केशकाल -थाना के अंतर्गत दो दिनों में लगातार। आत्महत्या करने की कोशिश जैसी घटनाएं। थमने का नाम नहीं ले रही है। जानकारी के अनुसार केशकाल- थाना के अंतर्गत पी.डब्ल्यू.डी. कॉलोनी- निवासी- पिता दयानंद सेठिया की पुत्री कुमारी योगिता सेठिया उम्र 18 वर्ष ने दिनांक 21अप्रैल 2020 लगभग -दोपहर 12:00 बजे घर से जहर खाकर निकली और ग्रामीण- बैंक के सामने आकर बैठी थी। तथा कांप रही थी। जिसे स्थानीय निवासी जावेद पारेख ने देखा कि उसकी तबीयत- बिगड़ रही है ।वह अपनी सहजता का परिचय देते हुए तत्काल अपनी निजी वाहन से समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाया। केसकल सामुदायिक -स्वास्थ्य केंद्र मे डॉक्टर डी. के. बिसेन के द्वारा उपचार किया गया। जिससे उसकी स्वास्थ्य में कुछ- सुधार हुआ था आज 23 अप्रैल सुबह 4 बजे अचानक तबीयत बिगड़ जाने पर बहार के लिए रिफर किया गया।

लॉकडाउन के दौरान अब तक सामान्य हुये 1078 सुरक्षित प्रसव

बैकुंठपुर। सुरक्षित मातृत्व के लिए गर्भावस्था के दौरान प्रसवपूर्व जांच के साथ साथ संस्थागत प्रसव जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोरोना वायरस संक्रमण से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को घबराने की नहीं बल्कि विशेष ध्यान रखने कि जरूरत है। जिले के सभी अस्पतालों एवं स्वास्थय केन्द्रों में संस्थागत प्रसव सहित ओपीडी व अन्य आपातकालीन सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने के आदेश दिए गए हैं। यह कदम राज्य सरकार से मिले आदेश के बाद लिया गया है और इसकी जानकारी मितानिनव एएनएम के माध्यम से लोगों तक पहुंचाई जा रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा ने बताया कोरोना के कारण किसी भी आपातकालीन सेवा में कोई भी रुकावट नहीं आई है । इमरजेंसी वार्ड और सभी पीएचसी में भी बिना किसी रुकावट के गर्भवती महिलाओं का सामान्य प्रसव कराया जा रहा है ।

उन्होंने कहा संस्थागत प्रसव के विषय में सामुदायिक स्तर पर अधिक से अधिक जागरूकता लाने की जरूरत है.लॉकडाउन में भी संस्थागत प्रसव को प्राथमिकता से पुर्ण कराया जा रहा है।

हिफाजत मनरेगा के कार्यो में श्रमिकों को मास्क लगाकर कार्य करना हुआ अनिवार्य, सुरक्षा के साथ रोजगार का अभिनव प्रयास

स्वसहायता समूहों के बने मास्क का इस्तेमाल करेंगे मनरेगा मजदूर

बीजापुर। कोरोना वायरस के कारण आवश्यक सावधानी बरतते हुए बीजापुर जिले की ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के कार्य कराए जा रहे हैं। कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा के लिए मुंह ढककर कार्य कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों की आवश्यकता और सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता देते हुए ग्राम पंचायतों में 40 हजार से अधिक मास्क का वितरण किया जा रहा है। इन मास्क को बनाने का काम स्थानीय स्तर पर स्व सहायता समूहों के माध्यम से किया जा रहा है। मास्क निर्माण का काम और विक्रय का लाभ स्व सहायता समूह को मिलने से समहू सदस्यो को आर्थिक लाभ भी मिलने लगेगा। जिले के कलेक्टर केडी कुंजाम ने बताया की

स्व सहायता समूहों के माध्यम से मास्क बनवाया जा रहा है और आवश्यकता पड़ने पर समूहों के माध्यम से ही मास्क खरीदने के निर्देश दिए गए हैं। पंचायतो को सुरक्षा इंतजाम के साथ ही कार्य कराए जाने निर्देश दिया गया है।

जिला पंचायत सीईओ अधिकारी पोषण चंद्राकर ने बताया कि शासन की मंशा रही कि किसी भी स्थिति में ग्रामीणों को कार्य की समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। सावधानी बरतते हुए ग्रमीणों को कार्य उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए मैदानी अमलों द्वारा मास्क की आवश्यकता महसूस की गई। जिसे गंभीरतापूर्वक लेते हुए पंचायतो को मास्क का वितरण किया जा रहा है। मनरेगा में कार्य करने वाले मजदूरों को मास्क उपलब्ध कराकर उन्हें कार्य पर लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

■ न्यूज गैलरी

कुल्हाड़ी घाट में सीआरपीएफ जवान ने लगाई फांसी

मैंनपुर (नव प्रदेश)। अल सुबह आज सीआरपीएफ के जवान ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर दी। घटना कुल्हाड़ी घाट की है जहां सीआरपीएफ के एक जवान ने कैंप के बैरक में लगे पंखे से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। मृतक जवान रावण लक्षण बताया जा रहा जो कि श्रीकाकुलम के वाडिया बीड़ा गांव आंध्र प्रदेश का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि जवान कुछ दिनों से तनाव में था। मृतक जवान के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जिसके बाद उसे उसके गृह ग्राम भेज दिया जाएगा।

सरकारी बंगले में ड्यूटी कर रहे सिपाही पर हमला

रायपुर। सरकारी बंगले में सिपाहियों द्वारा ड्यूटी किये जाने के कारण कई बार बाहरी तत्वों द्वारा हमले का शिकार होने की घटनाएं प्रायः घटती रहती है। सिविल लाइन थाने से मिली जानकारी के अनुसार तूफान कुमार आयु 37 वर्ष पिता स्व. युगल महतो अपने साथी आरक्षक भुजवल प्रसाद यादव के साथ ई/8 शासकीय बंगला न्यू शांति नगर सिविल लाइन में गेट पर बंगला ड्यूटी कर रहा था। अज्ञात तत्व द्वारा प्रार्थियों पर पत्थर फैंका गया जिसके चलते तूफान के सिर में पत्थर से चोट लग गई। प्रार्थी द्वारा सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराने पर अज्ञात के खिलाफ आईपीसी की धारा 336 के तहत मामला कायम किया है।

निजी स्कूल संचालक पालकों को फीस नहीं लेने का देंगे प्रमाण पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश में संचालित सभी निजी स्कूलों को लॉकडाउन अवधि में अध्ययनरत विद्यार्थियों से फीस वसूली हेतु अनावश्यक दबाव नहीं बनाने के निर्देश दिए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने अब सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी निजी स्कूलों से यह प्रमाण पत्र लिया जाए कि शाला प्रबंधकों के द्वारा पालकों से फीस नहीं मांगी गई है। गौरतलब है कि लॉकडाउन की अवधि में स्कूल फीस वसूली स्थगित रखने के निर्देश राज्य शासन द्वारा दिए गए हैं, जिससे पालकों और बच्चों को अनावश्यक परेशानी न हो। परंतु कई निजी शालाओं द्वारा लॉकडाउन की अवधि में भी स्कूल फीस जमा करने संबंधी संदेश पालकों को लगातर भेजे जा रहे है। इस पर कड़ा रूख अपनाते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने अब सभी निजी स्कूलों से यह प्रमाण पत्र मांगा है कि शाला प्रबंधकों के द्वारा पालकों से फीस नहीं मांगी गई है।

अक्षय तृतीया में इस बार नहीं खुलेगी मंडीपखोल गुफा

देश की पहली और एशिया की दूसरी सबसे लम्बी गुफा, एक ही नदी को करना पड़ता है सोलह बार पार

नव प्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरिया। कोविड 19 के खतरनाक वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए शासन प्रशासन ने अपनी पूरी ताकत झोंक दिया है। जन सहयोग से इसके फैलते संक्रमण पर लगाम लगा है। फिर भी इसके संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जारी लॉकडाउन और सोशल डिस्टेन्सिग के कड़े नियम के चलते इस बार लोग रहस्यमय मंडीपखोल गुफा का दर्शन नही कर पायेंगे।

छुईखदान ब्लॉक मुख्यालय से 55 किलोमीटर की दूरी पर वनांचल में इतिहास और रहस्यो से भरा मंडीप खोल की गुफा स्थित है। जो साल में केवल एक ही बार अक्षय तृतीया के बाद आने वाले प्रथम सोमवार को केवल एक दिन के लिए आम लोगो के दर्शन एवं घुमने के लिए खोला जाता है। अगामी 26 अप्रैल रविवार को अक्षय तृतीया का पर्व है। इसके दूसरे दिन सोमवार 27 अप्रैल को मंड़ीपखोल की गुफा को खोला जाता। परन्तु खतरनाक कोरोना वायरस के कारण उपजे परिस्थिति को देखते हुऐ इस बार इस गुफा का खुलना संभव नही है। हर साल यहां देश के कोने कोने से करीब बीस हजार से भी अधिक पर्यटक इस गुफा के रहस्य और इतिहास को जानने पहुचा करते है। पर लोगो को इस बार गुफा घुमने का अवसर मिलने की संभावना नही है। जिला प्रशासन ने यह बात स्पष्ट कर दिया है लॉकडाउन और शारीरिक दूरी का पालन लम्बे समय तक कडाई के साथ करना होगा।

रहस्यमय गुफा

मंडीपखोल गुफा को विद्वान और जानकार लोग रहस्यमय गुफा मानते है। जिसके अंदर काफी रहस्य भरा पडा है। इस गुफा के रास्ते में कही मैदान तो कही चढ़ाव एवं संकीर्ण है। गुफा के अंदर प्राचीन शिव सहित अन्य देवी देवताओ की मुर्तियां है। गुफा के अंदर का चट्टान काफी चमकदार है। अंदर के चट्टानो में पशु, पक्षी, पेड़ पौधे आदि की आकृति भी उकेरी गयी है। अंदर में झरना के रूप में जल प्रभावित होती रहती है। जिससे तेज गर्मी में भी गुफा के अंदर ठण्डकता महसूस किया जाता है।

सबसे लम्बी गुफा

चार साल पहले इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने इस गुफा सर्वेक्षण किया था। जानकारी के अनुसार सर्वे में यह पाया गया कि यह मंड़ीपखोल गुफा भारत का पहला एवं एशिया का दूसरी सबसे लम्बी गुफा है। पुरातत्व विभाग भी इस गुफा के अंतिम छोर तक नही पहुच पाया था। जिससे इसकी वास्तविक लम्बाई का पता नही चल पाया है। यहां के बुजुर्ग लोगो की बात माने तो यह मध्यप्रदेश के अंमरकटंक तक की लम्बी गुफा का होना बताया जाता है। अनुसंधानकर्ता ने पाया की गुफा के अंदर इतिहास के कई रहस्य और पुरातत्व का ज्ञान छुपा हुआ है।

एक ही नदी को सोलह बार पार

मंडीपखोल पहुचने का रास्ता काफी घुमावदार है। ठाकुरटोला के बाद से इस मार्ग का रोमांच शुरू होता है। यहा पहुचने के लिए एक ही नदी को अलग अलग जगहो पर सोलह बार पार करना पडता है। गुफा तक जाने के लिए कोई स्थाई मार्ग नही है। पहाड़, जंगल, चट्टान के ऊबड खाबड़ रास्ते से होते हुऐ इस गुफा तक पहुचा जाता है।

राज परिवार द्वारा खोला जाता है गुफा

मंडीपखोप गुफा का प्रवेश द्वार एक बडे से पत्थर से ढका रहता है। जिसे ठाकुरटोला राजपरिवार द्वारा जन सहयोग से खोला जाता है। पत्थर को हटाने के बाद हवाई फायर भी किया जाता है, ताकि गुफा के अंदर कोई जंगली जानवर हो तो वह भाग जाये। गुफा के अंदर अधेरा छाया रहता है। कुछ दुरी तक बिजली की व्यवस्था किया जाता है। उसके बाद पर्यटक स्वयं की टार्च, मोमबत्ती, मशाल आदि की रौशनी के सहारे अंदर जाते है। ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व रखने वाला मंडीप खोल गुफा इस साल कोरोना के चलते खुलना संभव नहीं। जिसे देखने लोग दूर-दूर से हजारों की संख्या में पर्यटक पाहुचते थे।

गुफा की ये हैं खास बातें

यह गुफा साल में सिर्फएक बार अक्षय तृतीया अर्थात गुड्डे-गुड़िया के शादी के बाद आने वाले पहले सोमवार को खुलती है। गुफा के खुलने पर बड़ी संख्या में लोग यहां आकर गुफा को देखने के साथ यहां विराजित शिव जी की पूजा अर्चना करते हैं। यहां जिले से लेकर पूरे छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र, ओडिशा के लोग पहुंचते हैं। ठाकूरटोला की राजपुरोहित लाल रोहित सिंग ने बताया की पुजा अर्चना मे मुख्य 4 - 5 लोग उपस्थित रहेंगे। यहाँ शासन के निर्देशन अनुसार भीड़ बढ़ाने की अनुमति नहीं है इस बार कोई कार्यक्रम भी नहीं रखा गया है । अगर कोई श्रद्धालु पाहुच भी जाते है तो समिति की तरफसे जो व्यवस्था बन पाएगी किया जाएगा ।

गंडई के कुछ दूरी पर स्थित है मंडीप खोल गुफा

गंडई से 7 किमी दूरी तय कर नर्मदा पहुंच कर साल्हेवार रोड पर चुचरुंगपुर तिराहे से ठाकुरटोला होते हुए जाया जाता है। गंडई से नर्मदा पहुंच कर साल्हेवार रोड पर चुचरुंगपुर तिराहे से ठाकुरटोला होते हुए जाया जाता है। साल्हेवार से 30 किमी की दूरी पर पैलिमेटा पहुंच कर पैलिमेटा से भदेरा होते हुए ठाकुर टोला से उक्त गुफा तक जाया जा सकता है। गुफा के लिए सही सफर ठाकुरटोला चौक से शुरू होती है। ठाकुरटोला से 13 कि.मी. जंगली रास्ते से जाना पड़ता है। ठाकुरटोला रियासत के जमीदारों ने 13 वीं शताब्दी में मंढीपखोल गुफा जो उनके कुल देवता का स्थान है, गौरी मंदिर, दक्षिण मुखी हनुमान और शिव मंदिर का निर्माण कराया था। ये मंदिर खजुराहो शैली पर बने हैं।

यहां है चमकदार पत्थर

कई रहस्यों को समेटे गुफा में कुछ ऐसे पत्थर है जो प्रकाश में चमकते हैं। यह पत्थर लोगों को काफी आकर्षित करते हैं। यहां काफी घुमावदार और विचित्र रास्ते भी हैं। यहां का शिव लिंग का मंदिर और चमगादर खोल गुफा को सबसे पवित्र माना जाता है। यहां तक पहुंचने के लिए बांस या लकड़ी की सीढी का उपयोग करना पड़ता है। ऊपर चढ़ने के बाद एक साथ सिर्फआठ से दस लोग ही शिव का दर्शन करते हैं। क्योंकि गुफा काफी संकरी है, गुफा में कुछ जगहों पर लेट कर और कुछ पर सिर नीचे कर सफर करना पड़ता है। इस दौरान पर्यटकों को सावधानी रखनी पड़ती है।

गुफा के अंदर है पवित्र कुंड

गुफा के अंदर श्वेत गंगा है जिसे पार करने के बाद पवित्र कुंड है। यहां पहुंचकर श्रद्धालु स्नान करते हैं। ऐसा माना जाता है कि यहां स्नान करने से चर्म रोगों से मुक्ति मिलती है। साथ ही उसे पीने से पेट संबंधी रोग दूर हो जाते है।

3.100 हेक्टयर में लगी थी आग, कुशल नेतृत्व से आग पर काबू पाया

नव प्रदेश संवाददाता

धमतरी/ नगरी सिहावा। कक्ष 339 में लगे भीषण आग से रात्रि कालीन गश्ती दल ने सुरक्षा की है। आग से किये गए रोकथाम में केवल 3.100 हेक्टेयर के घासपुस व सूखे पत्ते ही जले है, जंगल को नुकसान नही पहुचा है।

वनों को अग्नि से, और हिंसक पशुओं से मानव जाति की सुरक्षा के लिए विभाग द्वारा उप वनमंडल स्तर पर रात्रि कालीन गश्त टीम तैयार की गई है। जो पूरी तरह मुस्तैद है। लगातार रात्रि में गश्त कर रही है, जिसके परिणाम स्वरूप ही 21अप्रेल को कक्ष क्रमांक 339 में लगे भीषण आग पर काबू पाया गया।

ब्लॉक मुख्यालय नगरी से लगभग 15 किमी.दूर चारगांव रोड़ पर कक्ष क्रमांक 339 स्थित है। जिसमे रात्रि 8 बजे के लगभग तीन से चार हेक्टेयर में अचानक लग गई। सूचना मिलते ही रात्रि गश्त दल तुरन्त घटना स्थल रवाना हुई बड़ी मशक्कत के बाद आग में काबू पाया गया । इस घटना में केवल 3.100 हेक्टयर के घासपुस व सूखे पत्ते ही जले है। जंगल को पूरी तरह सुरक्षित बचा लिया गया है। गश्ती दल के चाकचौबंद व्यवस्था के चलते कामयाबी मिली है। हाल में महुवा का सीजन चल रहा है लोग महुवा बीनने बड़ी संख्या में जंगल पहुचते है। इस दृष्टिकोण से विभाग ने अज्ञात प्रकरण क्रमांक 8055/19 तैयार भी किया है।

उच्च अधिकारियों ने बनाई टीम

वनमंडलाधिकारी अमिताभ बाजपेयी के निर्देशन पर सभी उप वनमंडल स्तर पर यह टीम गठित की गई है। नगरी में एसडीओ जयदीप झा के मार्गदर्शन में यह टीम तैयार की गई है। जिसके मुखिया नगरी रेंज अफसर जीएस परमार है। इनके सलाह पर यह टीम लगातार बड़ी मुस्तैदी से अपने कार्यो का निर्वहन कर रही है, जिसके बदौलत तेंदुए की आहट क्षेत्र में कम सुनाई दे रही है। जब से टीम गठित हुई है गावो में भी हिंसक पशुओं के आवाजाही में अंकुश लगी है। टीम गठित होने के पश्चात हिंशक पशुओं के हमले की जानकारी नही मिली है, उसके पहले लगातार घटनाओं का शिलशिला जारी रहा है।

पीलिया से बचने पीएं उबला पानी : महापौर

रायपुर। राजधानी शहर के प्रथम नागरिक महापौर एजाज ढेबर ने एक बार फिर नगर निगम रायपुर के स्वास्थ्य व जलप्रदाय विभाग की ओर से सभापति प्रमोद दुबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष नागभूषण राव यादव, जलप्रदाय विभाग अध्यक्ष सतनाम सिंह पनाग के साथ समस्त राजधानीवासियों से आव्हान करते हुए कहा है कि पीलिया से बचने का सबसे जरूरी उपाय है पानी को उबालकर पीना । उन्होने नागरिको से आव्हान करते हुए कहा कि जिसमे पीलिया के लक्षण दिखे, उसे तुरंत डाक्टरी उपचार शुरू करना चाहिए। पानी को 20 मिनट तक उबालकर ठंडा कर पीना चाहिए। 20 लीटर पीने के पानी में एक क्लोरीन गोली पीस कर डालकर 30 मिनट बाद उसका उपयोग करना चाहिए। महापौर ढेबर, सभापति दुबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष यादव, जलप्रदाय विभाग अध्यक्ष पनाग ने नगर निगम स्वास्थ्य व जलविभाग की ओर से समस्त राजधानीवासियों से आव्हान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को शौच के पष्चात एवं भोजन के पहले हाथ अच्छी तरह साबून से धोने का कार्य अनिवार्य रूप से करना चाहिए।

जब शहरों के बार्डर सील हैं तो बाहरी आदमी शहर में कैसे मचाया हड़कंप

नव प्रदेश संवाददाता

धमतरी। शहर के रेलवे स्टेशन के पास बाहरी व्यक्ति के मिलने से हड़कंप मच गया है लोगों ने इसकी जानकारी सिटी कोतवाली को दी जिस पर कोतवाली पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है अज्ञात व्यक्ति के शहर में मिलने से खासकर स्टेशन पारा वार्ड में लोग सकते में आ गए हैं लोगों में यह भी चर्चा है कि उक्त आदमी एक-दो दिनों से रेलवे स्टेशन में मौजूद है वहीं किसी ने सिटी कोतवाली को आज शाम जानकारी दी जिस पर कोतवाली पुलिस टीम ने उक्त आदमी को जिला अस्पताल ले जाकर डॉक्टरों के सुपुर्द कर दिया है।

यहां सवाल यह उठता है कि शहर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात है बावजूद इसके बाहरी व्यक्ति शहर के भीतर कैसे प्रवेश कर लिया? इस वक्त पूरे देश में कोरोनावायरस का प्रकोप छाया हुआ है ऐसे में बाहरी व्यक्ति के शहर में मिलने से कई प्रकार के सवाल पैदा हो रहे हैं इस मामले में ज्यादा जानकारी के लिए हमने कोतवाली टीआई से बात की तो उन्होंने बताया कि आज शाम को कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि कोई बाहरी व्यक्ति रेलवे स्टेशन के पास है जो कि शहर का निवासी नहीं है उक्त जानकारी पर हम अपनी टीम के साथ रेलवे स्टेशन पहुंचे जहां पर वह व्यक्ति मौजूद था पूछताछ पर उसने अपना नाम शिव नारायण लगभग 45 वर्षीय व मध्यप्रदेश के रीवा का रहने वाला बताया है इस पर कोरोना संक्रमण को देखते हुए हमने उसे जिला अस्पताल में डॉक्टरों के हवाले कर दिया है और आगे जांच की जा रही।

24 नग हीरा के साथ मैनपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जब्त हीरे की कीमत 3 लाख रूपये, माईनिंग एक्ट के तहत की जा रही है कार्यवाही

नव प्रदेश संवाददाता

मैनपुर। मैनपुर पुलिस ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए बर्खास्त रोजगार सहायक को 24 नग बहुमुल्य रत्न हीरे के साथ गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि मैनपुर निवासी रमेश कश्यप बर्खास्त रोजगार सहायक है जिसे हीरा तस्करी के मामले में आज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जप्त हीरे 24 नग है जिनकी कीमत लगभग 3 लाख रुपए है।

गरियाबंद जिला में लगातार हो रही हीरा तस्करी पर कार्यवाही करने पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज, आनंद छाबड़ा के पर्यवेक्षण में तथा पुलिस अधीक्षक गरियाबंद भोजराम पटेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर के निर्देशन में थाना प्रभारी मैनपुर भूषण चन्द्राकर के नेतृत्व में क्षेत्र मे हीरा तस्करो पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी जिके बाद 22 अप्रैल बुधवार को मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति जो अपने पास हीरा पत्थर रखा है।

उसे तस्करी कर बेचने की फिराक मे है। उक्त सुचना पर कार्यवाही करते हुए मैनपुर से 8 किमी दूर झरियाबाहरा के आगे मैनपुर देवभोग नेशनल हाईवे रोड में आरोपी रमेश कुमार कश्यप पिता सोनसाय कश्यप उम्र 40 वर्ष ठाकुरदेव पारा मैनपुर निवासी को रोका गया तथा उसकी तलाशी ली गई तो उनके जेब मे छिपाकर रखे 24 नग बहुमूल्य हीरा कीमती रत्न को जब्त किया गया जिसकी कीमत 3 लाख रूपये बतायी जा रहा है।

ज्ञात हो कि आरोपी युवक रमेश कश्यप मैनपुर ग्राम पंचायत में रोजगार सहायक के पद पर थे और कार्य मे लापरवाही के चलते लगभग दो माह पहले उन्हे बर्खास्त किया गया था। मैनपुर पुलिस द्वारा धारा 379 भादवि 4 (21) माईनिंग एक्ट की परिधि मे आने से आरोपी को गिरफ्तार कर कार्यवाही किया जा रहा है उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी भूषण चन्द्राकर, प्रधान आरक्षक विजय कुमार मिश्रा, आर. माधव साहू, लव कुमार ध्रुव, नगर सैनिक पुरूषोत्तम डाहटे की सराहनीय भूमिका रही है।

लॉक डाऊन : शहर में चोरी की वारदात बढ़ी

नव प्रदेश संवाददाता

धमतरी। प्रार्थी मोहम्मद शरीफ पिता मोहम्मद सलीम निवासी बनियापारा वार्ड धमतरी ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि मकई चौक के पास स्थित उसके एच एम डी ट्रेडिंग कंपनी किराना दुकान में दिनांक 8 अप्रेल को कोई अज्ञात चोर दुकान के पीछे का लकड़ी का दरवाजा व चैनल गेट को खोलकर दुकान अंदर घुस कर गल्ले में रखें करीबन 10000रु को चोरी कर ले गया । प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली धमतरी में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 454, 380 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना क्रम में घटनास्थल पर मिले सीसीटीवी कैमरे का फुटेज प्राप्त कर बारीकी से अवलोकन किया गया जिसमें दिनांक घटना समय के दौरान एक नाबालिग बालक दुकान अंदर घुसकर गल्ले से रुपए चोरी करता दिखाई पड़ा, किंतु चेहरा स्पष्ट नहीं होने से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज व हुलिया के आधार पर पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान सूचना तंत्र के माध्यम से नाबालिक बालक के मिलने पर पूछताछ किया गया जिसके द्वारा अपराध स्वीकार करते हुए चोरी किए गए नगदी रकम को खर्च हो जाना बताने पर अभिरक्षा में लेकर विधिवत कार्यवाही कर माननीय किशोर न्यायालय प्रस्तुत किया गया है।

जूता दुकान में चोरी

इधर रत्नाबन्धा चौक स्थित गोल्डन शूज में चोरी का मामला सामने आया है ।संचालक मनोज लखवानी ने थाना सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 17 अप्रैल को वह दुकान की साफसफाई कर घर चला गया था। 22 की सुबह जब वह काम से दुकान पहुंचा था तो देखा कि सामान बिखरे पड़े हुए हैं ।गल्ला में रखा हुआ 15000रु गायब है। अज्ञात के खिलाफधारा 454 380 के तहत मामला दर्ज किया गया है।